संकल्प परिवर्तन का

रायबरेली, शुक्रवार
29.03.2024
वर्षः 11
अंकः 196 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2012
RNI-UPHIN/2012/46348

नवसत्ता

15वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

गोविंदा शिवसेना शिंदे गुट में हुए शामिल

एजेंसी

मुंबई, 28 मार्च (नवसत्ता) गोविंदा ने आज सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना शिंदे गुट की सदस्यता ग्रहण की। माना जा रहा है कि पार्टी उन्हें मुंबई नॉर्थ वेस्ट से चुनावी मैदान में उतार सकती है। इससे पहले गोविंदा 2004 में लोकसभा चुनाव लड़े थे और जीत हासिल की थी। फिल्म अभिनेता गोविंदा ने राजनीति में एक बार फिर एंट्री ली है, वह गुरुवार को सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हो गए।

माना जा रहा है कि वह मुंबई नॉर्थ-वेस्ट से चुनाव लड़ सकते हैं। गोविंदा की राजनीति में एंट्री के कयास कल तब से लगाए जाने लगे थे जब उन्होंने शिवसेना एक नाथ शिंदे गुट के प्रवक्ता और पूर्व विधायक कृष्णा हेगड़े से मुलाकात की थी। गोविंदा को मुंबई की नॉर्थ वेस्ट सीट से लड़ाए जाने की तैयारी है। ये वही सीट है जहां से शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट ने अमोल कीर्तिकार को उम्मीदवार बनाया है। उद्धव के इस कदम के बाद कांग्रेस नेता निरुपम भी इस बात से नाराज हैं कि कांग्रेस के हक वाली सीट पर उद्धव ठाकरे ने उम्मीदवार क्यों उतारा?। इसी के बाद से गोविंदा के इस सीट से चुनाव लड़ने की संभावना तेज हो गई थी। एक सप्ताह पहले भी गोविंदा की एक नाथ शिंदे से मुलाकात हुई थी। इसके अलावा तीन दिन पहले भी एक महत्वपूर्ण बैठक की गई थी। गोविंदा ने 2004 में कांग्रेस के टिकट पर उत्तरी मुंबई लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। उन्होंने यहां से भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे रामनाइक को हराया था। गोविंदा की यह जीत इसलिए खास थी, क्योंकि उन्होंने उस सीट पर जीत हासिल की थी, जिसे भाजपा का गढ़ माना जाता था। इस लोकसभा सीट में बोरीवली, मगाथेन, चारकोप, मलाड, दहिसर, कांदिवली आदि विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। मुंबई नॉर्थ वेस्ट लोकसभा सीट पर अमोल कीर्तिकर को उतारे जाने के ऐलान के बाद माधुरी दीक्षित के नाम पर भी चर्चा हुई थी। हालांकि माधुरी दीक्षित ने इस पर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई दावा तो यहां तक किया जा रहा है कि इस सीट पर चुनाव लड़ाने के लिए अक्षय कुमार, नाना पाटेकर से भी चर्चा की गइ थी, लेकिन अक्षय और नाना पाटेकार ने भी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई।

अरविंद केजरीवाल की ईडी हिरासत एक अप्रैल तक बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने 1अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पहले कहा, यह आरोप लगाया जा रहा है कि यह 100 करोड़ रुपये का घोटाला था .ईडी का मकसद आम आदमी पार्टी को कुचलना है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन हस्तांतरित करने के लिए हवाला ऑपरेटरों के इस्तेमाल के खुलासे के बाद 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। वित्तीय जांच एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, धन का हस्तांतण चुनावों, बैठकों और होटलों पर खर्च के लिए किया जा रहा था। ईडी के अनुसार, केजरीवाल ने अपनी आम आदमी पार्टी (आप) के अन्य शीर्ष नेताओं के साथ कथित तौर पर दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति के संबंध में 100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली, और यह पैसा कई बिचौलियों के जरिए ट्रांसफर किया गया। इस प्रक्रिया में बीआरएस एमएलसी के. कविता और साउथ ग्रुप के सदस्यों को शामिल किया गया। केजरीवाल ने ईडी के नौ समन की अनदेखी की थी, जिस कारण अदालत में आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत उनके खिलाफ दो मामले दायर किए गए थे।

मुख्यमंत्री पद से हटाने की याचिका खारिज

नयी दिल्ली- दिल्ली उच्च न्यायालय ने शराब नीति 2021-2022 में कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले में फंसे आम आदमी पार्टी(आप) के नेता अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री के पद से हटाने के लिए निर्देश ने की मांग वाली याचिका आज खारिज कर दी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने सुजीत सिंह यादव की याचिका ठुकराते हुए कहा कि इस मामले की जांच करना कार्यपालिका और राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र है। अदालत इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। किसान एवं सामाजिक कार्यकर्ता दिल्ली निवासी याचिकाकर्ता श्री यादव ने अपनी याचिका में दावा किया कि वित्तीय घोटाले के कथित आरोपी श्री केजरीवाल को मुख्यमंत्री के पद (सार्वजनिक पद)पर बने रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। श्री केजरीवाल को 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल उसकी हिरासत में हैं।

ईडी ने सबूत जुटाने के बाद गिरफ्तारी की।16 मार्च को ईडी ने कविता की हिरासत की मांग करते हुए उन्हें पिछले दिनों हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। वह बीआरएस सुप्रीमो और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी हैं। ईडी ने कथित घोटाले में प्रमुख साजिशकर्ता और लाभार्थी के रूप में उसकी कथित संलिप्तता का खुलासा किया।जांच एजेंसी ने हिरासत में लेने के लिए दायर अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि साउथ ग्रुप के अन्य सदस्यों - सरथ रेड्डी, राघव मगुंटा और मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के साथ कविता ने सीएम केजरीवाल और उनके डिप्टी सहित आप के शीर्ष नेताओं के साथ मिलकर साजिश रची थी। तत्कालीन आबकारी मंत्री व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने उन्हें 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी। अदालत के समक्ष ईडी के आवेदन में कहा गया, आप के नेताओं को दी गई रिश्वत के बदले में उन्हें नीति निर्माण तक पहुंच प्राप्त थी और उनके लिए एक अनुकूल स्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रावधानों की पेशकश की गई थी। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि कविता को अपने डमी अरुण पिल्लई के जरिए पेरनोड रिकार्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के इस फर्म और वितरण व्यवसाय में पर्याप्त निवेश किए बिना इंडो स्पिरिट्स की साझेदारी में हिस्सेदारी मिली, जो देश के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक है और इस तरह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 की अवधि में इंडो स्पिरिट्स को सबसे अधिक लाभदायक एल1 बनाया और मुनाफे की आड़ में अपराध की आय कमाई।इसके अलावा, नीति में थोक व्यापारी का लाभ मार्जिन बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया, ताकि इस मार्जिन में इसका एक हिस्सा रिश्वत के रूप में वापस लिया जा सके। ऐसा अवैध धन का निरंतर प्रवाह बनाने के लिए किया गया था। आवेदन में दावा किया गया है कि एएपी ने थोक विक्रेताओं से रिश्वत के रूप में और साउथ ग्रुप को भुगतान की गई रिश्वत की वसूली करने और इस पूरी साजिश से मुनाफा कमाने के लिए कहा गया।सरथ रेड्डी, राघव मगुंटा और मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी इस मामले में सरकारी गवाह बन गए थे।

सीजेआई को वकीलों की चिट्ठी पर मोदी ने कहा, धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता) वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे, मनन कुमार मिश्रा, आदिश अग्रवाल, चेतन मित्तल, पिंकी आनंद, हितेश जैन, उज्ज्वला पवार, उदय होल्ला, स्वरूपमा चतुर्वेदी सहित 600 से अधिक वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका की सत्यनिष्ठा को कमजोर करने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इन वरिष्ठ वकीलों की इस चिंता पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे लेकर लिखा, दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। पांच दशक पहले ही उन्होंने प्रतिबद्ध न्यायपालिका का आह्वान किया था - वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं, लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। ऐसे में कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीयों ने उन्हें अस्वीकार किया है। दरअसल, इन वरिष्ठ वकीलों ने सीजेआई को पत्र में लिखा है कि एक खास समूह है जो अदालती फैसलों को प्रभावित करने के लिए दबाव डालता है, विशेष रूप से ऐसे मामलों को यह प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं जिनसे या तो नेता जुड़े हुए हैं या फिर सीधे उन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ऐसे में इस समूह के लोगों की गतिविधियां देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने और न्यायिक प्रक्रिया के लिए खतरा है। सभी वकीलों ने इस चिट्ठी में चिंता जताई है कि ऐसे में न्याय को कायम रखने के लिए काम करने वाले के रूप में हम सोचते हैं कि यह हमारी अदालतों के समर्थन में खड़े होने का समय है। अब इसके खिलाफ एक साथ आने और गुप्त हमलों के खिलाफ बोलने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारी अदालतें हमारे लोकतंत्र के स्तंभ के रूप में सुरक्षित रहें।

चिट्ठी में वकीलों का कहना है कि इस खास समूह के लोगों द्वारा कई तरीकों से न्यायपालिका के कामकाज को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है। न्यायपालिका के बारे में गलत नैरेटिव पेश करने के साथ ही अदालतों की कार्यवाहियों पर सवाल उठाना इनका काम है जिसके जरिये अदालतों में जनता के विश्वास को कम किया जा सके। चिट्ठी में यह भी लिखा गया है कि यह समूह अपने राजनीतिक एजेंडे के आधार पर ही अदालत के फैसलों की सराहना या आलोचना करता है।

जरूरत पड़ी तो सरकार अग्निवीर योजना में बदलाव को तैयार

एजेंसी

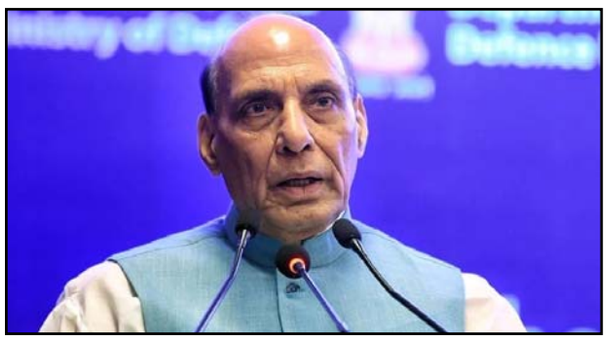

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि उनकी सरकार जरूरत पड़ने पर अग्निवीर भर्ती योजना में बदलाव के लिए तैयार है। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अग्निवीरों का भविष्य सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा- सेना को युवाओं की जरूरत है। मुझे लगता है कि युवा उत्साह से भरा होता है।

वे टेक-लवर होते हैं। हमने इस बात का उचित ध्यान रखा है कि उनका भविष्य भी सुरक्षित रहे। जरूरत पड़ी तो हम बदलाव भी करेंगे। अग्निवीर स्कीम लागू होते ही विवादों में आ गई थी। इस स्कीम में सिर्फ 4 साल की सर्विस को विपक्ष ने युवाओं के साथ धोखा बताया था। कांग्रेस ने अपने चुनावी कैंपेन में अग्निवीर स्कीम को मुख्य मुद्दा बनाया है। 2022 को लागू की गई थी अग्निवीर स्कीम केंद्र सरकार ने 14 जून 2022 को सेना की तीनों शाखाओं- थलसेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं की बड़ी संख्या में भर्ती के लिए अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी। इस स्कीम के तहत नौजवानों को सिर्फ 4 साल के लिए डिफेंस फोर्स में सेवा देनी होगी। राहुल गांधी से युवाओं ने कहा था- अग्निवीर सुनकर रिश्ते वाले भी नहीं आ रहे मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में इसी महीने राहुल गांधी ने ग्वालियर में अग्निवीर भर्ती से जुड़े युवाओं, पूर्व सैनिकों से करीब 40 मिनट तक बात की। यहां सेना की तैयारी कर रहे युवाओं ने बताया कि जो सम्मान फौजी बनने पर मिलता था, अब वो अग्निवीर बनने पर नहीं मिलता। न शहीद का दर्जा मिलता है न ही पेंशन और कैंटीन की सुविधा मिलती है। यहां तक कि अब तो अग्निवीर सुनकर हमारे लिए रिश्ते भी नहीं आ रहे हैं। इस पर राहुल गांधी ने युवाओं को भरोसा दिलाया था कि यदि उनकी सरकार आती है तो वह अग्निवीर भर्ती योजना में जो सुधार हो सकता है वह जरूर करेंगे। राहुल ने कहा था- मोदी सरकार अग्निवीर योजना लेकर आई है, ताकि सैनिकों की ट्रेनिंग और पेंशन का पैसा अडाणी को दिया जा सके। अग्निवीर योजना में चार में से तीन लोगों को बाहर कर दिया जाएगा।

एलसीए एमके 1ए ने सफलतापूर्वक भरी उड़ान

बेंगलुरु, 28 मार्च (नवसत्ता) तेजस एमके 1ए विमान श्रृंखला के पहले विमान एलए 5033 ने गुरुवार को यहां एचएएल फेसेलिटी से सफलतापूर्वक उड़ान भरी। भू-राजनीतिक कारणों से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, एचएएल विमान के डिजाइन और विकास के साथ-साथ इस मील के पत्थर को हासिल करने में कामयाब रहा। एचएएल के सीएमडी सीबी अनंतकृष्णन ने चुनौतियों के मद्देनजर इस उपलब्धि के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, एचएएल ने फरवरी 2021 में अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल में प्रमुख आपूर्ति श्रृंखला चुनौतियों के बीच समवर्ती डिजाइन और विकास के साथ इस महत्वपूर्ण उत्पादन मील का पत्थर हासिल किया। 18 मिनट की उड़ान का संचालन मुख्य परीक्षण पायलट, ग्रुप कैप्टन केके वेणुगोपाल (सेवानिवृत्त) ने किया। एचएएल ने तेजस एमके 1ए कार्यक्रम की सफलता में योगदान के लिए रक्षा मंत्रालय, भारतीय वायु सेना, डीआरडीओ/एडीए,सीईएमआईएलएसी , डीजीएक्यूए और एमएस एमई सहित विभिन्न हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को एनडीपीएस मामले में हुई सजा

एजेंसी

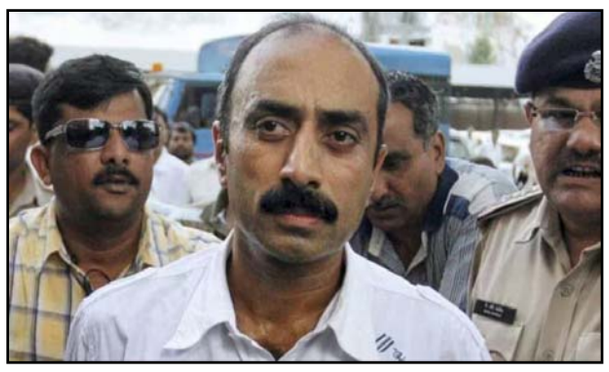

अहमदाबाद, 28 मार्च (नवसत्ता) पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को साल 1996 एनडीपीएस मामले में पालनपुर के द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने सजा सुनाई है। कोर्ट ने पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को 20 साल के कठोर कारावास और 2 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।पूर्व अधिकारी को अलग-अलग 11 धाराओं के तहत 20 साल की कैद और दो लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। वहीं, जुर्माना न देने पर एक वर्ष अतिरिक्त साधारण कारावास का प्रावधान किया गया है।

मालूम हो कि कोर्ट ने इससे पहले बुधवार को पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को एनडीपीएस मामले में दोषी करार दिया था।मालूम हो कि यह ड्रग्स को जब्त करने का मामला है। सत्र अदालत ने पूर्व अधिकारी को राजस्थान के रहने वाले एक वकील को झूठे आरोप में फंसाने के मामले में दोषी पाया है। संजीव भट्ट गुजरात दंगा मामलों में गलत बयानी के लिए काफी विवादास्पद रहे थे। 1996 में पुलिस ने पालनपुर के एक होटल के कमरे से ड्रग्स की बरामदगी की थी।पुलिस के अनुसार, आरोपित वकील भी उसी कमरे में रह रहा था। उस समय भट्ट बनासकांठा जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत थे। उनके अधीन जिला पुलिस ने राजस्थान के वकील सुमेर सिंह राजपुरोहित को इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया था। उस समय भट्ट ने यह दावा किया था कि पालनपुर के जिस होटल के कमरे से ड्रग्स को जब्त किया गया, वकील उसी में रह रहा था।

बाद में राजस्थान पुलिस ने कहा कि राजपुरोहित को बनासकांठा पुलिस ने राजस्थान के पाली में स्थित एक विवादित संपत्ति को स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया था। इसी मकसद के लिए पुरोहित को झूठा फंसाया था। पूर्व पुलिस इंस्पेक्टर आइबी व्यास ने मामले की गहन जांच की मांग करते हुए 1999 में गुजरात हाई कोर्ट का रुख किया था।

रायबरेली में ट्रक नदी में गिरा,चालक क्लीनर लापता

संवाददाता

रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश में रायबरेली जिले के लालगंज इलाके में गुरुवार को एक ट्रक लोन नदी में गिर गया। ट्रक के चालक और क्लीनर की तलाश पुलिस के गोताखोर कर रहे हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आज दोपहर को करीब दो बजे लालगंज इलाके में एक डस्ट से लदी हुई ट्रक अनियंत्रित होकर लोन नदी में पलट गई। ट्रक नदी में बिल्कुल उल्टी जा गिरी जिससे उंसमे लदी हुई डस्ट नदी और उसके आसपास बिखर गई। यह ट्रक किसी कारखाने से डस्ट लेकर जा रही थी। ट्रक के चालक और क्लीनर दोनो ही लापता बताए गए है।

उन्होने बताया कि अभी ट्रक पानी मे औंधी पड़ी है इसलिए यह पता नही चल पाया कि ट्रक किस जिले की है। पुलिस ने राहत कार्य के लिए गोताखोर लगाए है। हालांकि पुलिस का यह भी कहना है कि ट्रक के चालक और क्लीनर बच कर कहीं भाग गए है।बहरहाल अभी बचाव कार्य के लिए जद्दोजहद जारी है।

इलेक्शन किंग इलेक्शन किंग के नाम से मशहूर पद्मराजन ने देश भर में हुए राष्ट्रपति से लेकर स्थानीय चुनावों तक सभी में हिस्सा लिया है

238 बार हारने के बाद फिर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है इलेक्शन किंग

एजेंसी

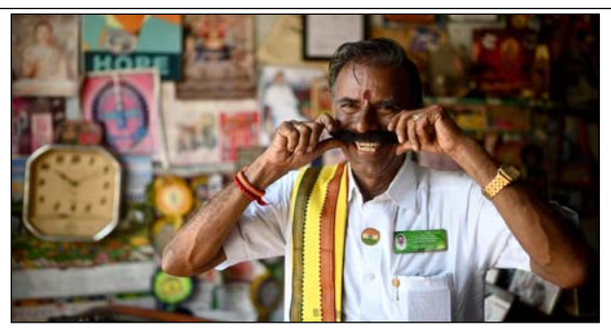

चेन्नई, 28 मार्च (नवसत्ता) तमिलनाडु के पद्मराजन 238 बार चुनाव हारने के बाद भी एक बार फिर आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में जुट गए हैं। 65 वर्षीय टायर रिपेयर शॉप के मालिक ने 1988 में तमिलनाडु के अपने होमटाउन मेट्टूर से चुनाव लड़ना शुरू किया था। जब उन्होंने बताया कि वो चुनाव लड़ रहे हैं तो लोग उनका मजाक उड़ाते थे लेकिन वो सभी को साबित करना चाहते थे कि एक आम आदमी भी चुनावों में हिस्सा ले सकता है। पद्मराजन ने कहा, सभी उम्मीदवार चुनावों में केवल जीतना चाहते हैं लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि वो चुनावों में केवल हिस्सा लेने से भी खुश हैं और फिर हार हो या जीत इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि वो हारने में भी खुश हैं। इस साल, 19 अप्रैल से शुरू होने वाले आम चुनावों में, वह तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले की एक संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इलेक्शन किंग के नाम से मशहूर पद्मराजन ने देशभर में हुए राष्ट्रपति से लेकर स्थानीय चुनावों तक सभी में हिस्सा लिया है। इतने सालों में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह से चुनाव हारे हैं। पद्मराजन ने कहा, जीतना दूसरी चीज है। मुझे इससे भी फर्क नहीं पड़ता है कि मैं चुनाव में किसके विपरीत खड़ा हूं। हालांकि, उनके लिए चुनाव लड़ना बिल्कुल आसान नहीं रहा है। पिछले तीस दशकों में वह चुनावों पर लाखों रुपये खर्च कर चुके हैं। इसमें उनके नवीनतम नामांकन के लिए 25,000 रुपये की सुरक्षा जमा राशि शामिल है, जिसे तब तक वापस नहीं किया जा सकता, जब तक वह 16 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं जीत लेते।

इन सबके बीच उनकी एक जीत यह रही है कि वो भारत के सबसे असफल उम्मीदवार के रूप में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बना चुके हैं। पद्मराजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 में था, जब वह मेट्टूर में विधानसभा चुनाव के लिए खड़े हुए थे। उन्हें इस चुनाव में 6,273 वोट मिले थे जबकि अंतिम विजेता को 75,000 से अधिक वोट मिले थे। उन्होंने कहा, मुझे एक भी वोट की उम्मीद नहीं थी लेकिन फिर भी लोगों ने मेरे लिए वोट किया और मुझे स्वीकार किया। बता दें कि अपनी टायर रिपेयर की दुकान के साथ वह लोकल मीडिया में एडिटर का भी काम करते हैं और साथ ही होम्योपैथिक उपचार भी प्रदान करते हैं. लेकिन अपने इन सभी कामों में उनका सबसे अहम काम चुनाव लड़ना रहा है। उन्होंने कहा, यह भागीदारी के बारे में है।

लोग नामांकन करने में झिझकते हैं इस वजह से मैं जागरूकता पैदा करने के लिए रोल मॉडल बनना चाहता हूं। पद्मराजन अपने हर असफल चुनाव के नामांकन पत्रों और पहचान पत्र का विस्तृत रिकॉर्ड रखते हैं। इतना ही नहीं वो इन्हें सुरक्षित रखने के लिए इन्हें लेमिनेट भी कराते हैं। चुनाव लड़ने के लिए एक वक्त पर लोग पद्मराजन का मजाक उड़ाते थे लेकिन अब उन्हें छात्रों को संबोधित करने और हार से उभरने के बारे में बात करने के लिए बुलाया जाता है।

दिल का दौरा पड़ने से मुख्तार अंसारी की मौत

यूपी के कई जिले अलर्ट पर

संवाददाता

बांदा , 28 मार्च (नवसत्ता)। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद बांदा, मऊ, गाज़ीपुर जिलों में धरा 144 लगा दी गयी है। बांदा जेल में बेहोश होने के बाद मुख्तार अंसारी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नौ डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी सेहत पर नजर बनाए हुई थी लेकिन इलाज के दौरान मुख्तार अंसारी की मौत हो गई। मुखूतार के परिजनों ने मौत का कारण जहर देना बताया है। हालत गंभीर होने के बाद उसे पहले आईसीयू में फिर सीसीयू में भर्ती कराया गया था। मुख्तार अंसारी की मौत से जुड़ी खबर आने के बाद मऊ और गाज़ीपुर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि जेल में बेहोश होने के बाद मुख्तार अंसारी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नौ डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी सेहत पर नजर बनाए हुई थी लेकिन उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हो रहा था। बता दें कि मुख्तार अंसारी को रात करीब नौ बजे दिल का दौरा पड़ा था और वो बेहोश हो गया था।

इसके बाद उसे आनन-फानन में तुरंत मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। ये खबर आने के बाद मुख्तार का परिवार गाजीपुर से बांदा के लिए निकल गया है। मामले की गंभीरता को देखते बांदा जेल की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुख्तार अंसारी के वकील रणधीर सिंह ने कहा की कि मुख्तार अंसारी से किसी को भी मिलने नहीं दिया जा रहा था। इससे पहले मंगलवार को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। उसे स्टूल सिस्टम की परेशानी रही थी। रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में उसे 14 घंटे तक आईसीयू में रखकर इलाज किया गया था। बता दें कि मुख्तार ने कुछ दिन पहले ही कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि उसे धीमा जहर दिया जा रहा है।

छात्रों के निर्माण में नैतिक एवं चारित्रिक बल पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता : ओ.पी. श्रीवास्तव

मदर टेरेसा ग्रुप ऑफ स्कूल में वितरित किया गया वार्षिक परीक्षाफल

संवाददाता

रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। मदर टेरेसा ग्रुप ऑफ स्कूल में वार्षिक परीक्षाफल वितरित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ विद्यालय के प्रबन्धक ओ. पी. श्रीवास्तव के द्वारा विद्या की देवी सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीपोत्सव व माल्यार्पण एवं तत्पश्चात छात्राओं द्वारा वंदना गीत से प्रारंभ हुआ। इसके बाद कक्षा 7वीं की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात विद्यालय प्रबन्धक द्वारा विद्यालय के कक्षा 6 से कक्षा 9 व 11 के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। प्रबन्धक ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विद्यालय बहुमुखी प्रतिभा का केंद्र है, यहां पर छात्रों का सर्वांगीण विकास किया जाता है। आज के युग में छात्रों के निर्माण में नैतिक बल एवं चारित्रिक बल में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

इसके पश्चात विद्यालय प्रबन्धतंत्र से धीरज श्रीवस्तव द्वारा विद्यालय के कक्षा 3 से कक्षा 5 व रूचि श्रीवास्तव द्वारा कक्षा एल. के. जी. से कक्षा 2 के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। धीरज श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्रों के भविष्य निर्माण में अध्यापकों की भूमिका के साथ-साथ उनके माता-पिता की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। उनके चरित्र निर्माण में पारिवारिक वातावरण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अन्त में विद्यालय की वरिष्ठ पूर्व प्रधानाध्यापिका सरला श्रीवास्तव, मदर टेरेसा इण्टर कालेज की प्रधानाध्यापिका कविता अवस्थी एवं मदर टेरेसा जूनियर हाईस्कूल की प्रधानाध्यापिका मन्जरी अग्रवाल द्वारा विद्यालय में सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति दर्ज कराने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक सन्तोष, राम सोनकर, रजनीष, कैलाष, निषा सिंह, सादिया, प्राची, सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

लोडर चालक की मौत

संवाददाता

रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। जिले में तेज रफ्तार डंपर ने लोडर को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे चालक गम्भीर हो कर वहीं गिर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल युवक को लेकर जिला अस्पताल पहुंची। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर आसपास के सैकड़ों लोग मौजूद रहे। हादसा लालगंज कोतवाली क्षेत्र के मीठापुर बढ़िया गांव के पास का है।

बाप ने बेटी की सहेली से की दरिंदगी

बाराबंकी,28 मार्च (नवसत्ता)। जिले में पड़ोसी ने अपनी बेटी के साथ खेल रही 6 साल की बच्ची के साथ रेप किया। आरोपी उसे बहाने से घर के अंदर बुलाकर ले गया। उसके साथ दरिंदगी की। उसे गंभीर हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गया। बच्ची रोते हुए घर पहुंची। उसने पिता से कहा कि मेरे साथ अंकल ने गंदा काम किया। इसके बाद परिजनों ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया।

गंगा कटरी के पांच गांवों में बाढ़ प्रबंधन के लिए मिले 2.9 करोड़

संवाददाता

उन्नाव, 28 मार्च (नवसत्ता)। गंगा में बाढ़ से कटरी क्षेत्र के पांच गांवों में होने वाली तबाही रोकने के लिए सिंचाई विभाग की ओर से भेजे गए 9.52 करोड़ के प्रस्तावों की स्वीकृत मिल गई है। साथ ही पहली किश्त के रूप में 30 फीसदी धनराशि जारी कर दी गई है। इससे विभाग ने कटरी क्षेत्र में काम भी शुरू करा दिया है। जिले में सदर, बीघापुर, सफीपुर व बांगरमऊ तहसील क्षेत्र में 84 किलोमीटर लंबाई में फैला गंगा कटरी क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित होता है। पिछले साल जुलाई में आई बाढ़ का सैलाब करीब दो माह तक बना रहा था। पानी का बहाव तेज होने के कारण गंगा में जमकर कटान हुआ था।

कटान के चलते बांगरमऊ के 12 गांव रतईपुरवा, मितानपुरवा, गढ़ेवा रन्नापुरवा, बगिया, भगवंतपुरवा रतईपुरवा, मुन्नीपुरवा, भुड्डा आदि प्रभावित हुए थे। कई गांव तो काफी दिन तक चारों ओर से घिरे रहे थे। कटान से काफी मकान गिरे थे। एक बड़ी आबादी इससे प्रभावित हुई थी। सिंचाई खंड की ओर से कटान रोकने के उपायों (बोरियां भरकर लगाने चेकडैम बनाने व पत्थर के बोल्डर डालने आदि) के लिए 9.52 करोड़ का प्रस्ताव प्रमुख सचिव को भेजा गया था। इसमें अभी पांच गांवों नयापुरवा, धन्नापुरवा, हिंदूपुर, दबौली व खैरी के लिए पहली किश्त के रूप में 2.9 करोड़ मिल गए हैं। जिसके चलते क्षेत्र में काम शुरू कराने के लिए पत्थर पहुंचा दिए हैं।

अक्तूबर 2010 और सितंबर 2011 में आई प्रलयंकारी बाढ़ में बांगरमऊ, गंजमुरादाबाद, सफीपुर, सिकंदरपुर सरोसी और बीघापुर ब्लॉकों में फैले कटरी क्षेत्र के 300 गांव प्रभावित हुए थे। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री और सहायता पहुंचाने के लिए वर्ष 2010 में सेना की मदद लेनी पड़ी थी जबकि वर्ष 2011 में पीएसी को तैनात किया गया था। बाढ़ प्रबंधन के कार्य शुरू कराए जा रहे हैं। बताया कि बाढ़ प्रबंधन के कार्य पूरे होने से 715 हेक्टेअर से ज्यादा भूमि को सुरक्षित किया जा सकेगा।

ट्रकों की टक्कर में तीन लोग घायल

अमेठी,28 मार्च (नवसत्ता)। जिले में गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां लखनऊ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन ट्रकों की आगे पीछे भीषण टक्कर हो गई। हादसे में एक ट्रक चालक समेत तीन घायल हो गए। गंभीर हालत में एक ट्रक चालक को इलाज के लिए जगदीशपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त तीनों ट्रकों को हाईवे से किनारे करवा दिया है, जिसके बाद यातायात सुचारू रूप से शुरू हो गया है। दरअसल ये पूरा मामला कमरौली थाना क्षेत्र लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग का है।

पार्टी कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं से जनता को रूबरू करायें : वीरेंद्र तिवारी

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी से रायबरेली लोकसभा प्रभारी वीरेन्द्र तिवारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव का बिगुल फुंक चुका है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता तन मन से जुट गए हैं। इस बार भारतीय जनता पार्टी ने 400 पार का नारा दिया है और इस बार रायबरेली भी भारतीय जनता पार्टी के सांसद से सुशोभित होगा।

उन्होंने आज होली के पावन पर्व पर मोदी का परिवार-बूथ पर होली मिलन कार्यक्रम के दौरान बछरावां में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मंडल के सभी पदाधिकारी व बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता पार्टी की जनकल्याणकारी योजनाओं से मतदाताओं को रूबरू करायें तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से लाभ पाये लाभार्थियों से भी लगातार संपर्क किया जाए।

लोकसभा प्रभारी श्री तिवारी ने कहा कि रायबरेली का मतदाता इस बार मोदी और योगी की ओर देख रहा है और अबकी बार निश्चित तौर पर रायबरेली से भाजपा के प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत होगी। इस अवसर पर पार्टी के जिला महामंत्री मारुति मिश्रा, मंडल अध्यक्ष प्रवेश वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील सागर, मण्डल महामंत्री मो.मुजीब अहमद, बूथ अध्यक्ष राजेश्वर चौधरी, शशांक चौधरी, प्रमोद साहू, बूथ नं.-73 के अध्यक्ष राकेश गुप्ता सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला को ट्रक ने रौंदा

बांदा,28 मार्च (नवसत्ता)। तेज रफ्तार ट्रक का कहर देखने को मिला है। जहां पर तेज रफ्तार ट्रक ने एक युवती को रौंद दिया। वहीं स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। ट्रक को हिरासत में ले लिया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता-पुत्र की मौत

संवाददाता

फुरसतगंज-अमेठी, 28 मार्च (नवसत्ता)। जिले के फुरसतगंज थाना क्षेत्र के टांडा-बांदा हाईवे पर बुधवार की रात हुए सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, कमरौली में तीन ट्रकों की टक्कर में एक चालक घायल हो गया।

निगोहा गांव निवासी मोहम्मद नसीर (64) बुधवार की रात करीब दस बजे भोजन करने के बाद पुत्र मोहम्मद सईद (35) के साथ घर के सामने टांडा-बांदा हाईवे पर टहल रहे थे तभी किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। इससे दोनों घायल हो गए।

मौके पर भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने नसीर को मृत घोषित कर दिया जबकि बेटे सईद को रेफर कर दिया। बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। इधर, कमरौली में तीन ट्रकों की आपस में भिड़ंत हो गई।

आंचलिक विज्ञान केंद्र की विजिट कर बच्चों ने जानी विज्ञान की बारीकी

❖राष्ट्रीय आविष्कार अभियान क्विज प्रतियोगिता में बेहतर करने वाले बच्चों की कराई गई एक्सपोजर विजिट।

❖लखनऊ के आंचलिक विज्ञान केंद्र का अमावां ब्लॉक के बच्चों ने किया भ्रमण।

संवाददाता

रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे देश और दुनिया के बारे में अधिक से अधिक जान सकें इसके लिए सरकार की तरफ से एक्सपोजर विजिट कराई जा रही है। एक्सपोजर विजिट के माध्यम से बच्चों को नवीन चीजों से रूबरू कराया जा रहा है। विज्ञान और खगोलीय की दुनिया कितनी बड़ी है इसका नमूना अमावां ब्लॉक के 200 बच्चों ने लखनऊ में स्थिति आंचलिक विज्ञान केंद्र की विजिट करके देखा।राष्ट्रीय आविष्कार अभियान क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले बच्चों ने लखनऊ की एक्सपोजर विजिट करके जानी। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले ब बच्चों को विभाग की तरफ से एक्सपोजर विजिट कराई जा रही है। अमावां प्रभारी खण्ड शिक्षा अधिकारी बृजलाल वर्मा ने बताया कि लखनऊ में बच्चों की कराई गई एक्सपोजर विजिट के माध्यम से बच्चों को नवीन चीजों से रूबरू कराया गया। बीईओ ने बताया कि लखनऊ में एक्सपोजर विजिट के लिए भेजे गए छात्र आंचलिक विज्ञान केंद्र पहुँचे, यहां पर उनका भ्रमण करना किसी अजूबा से कम नहीं था। बच्चों ने बहुत ही बारीकी के साथ में सभी चीजों को देखा और उसके बारे में जानकारी एकत्रित की। करीब 10 एकड़ भूमि के बड़े क्षेत्र में फैले इस केंद्र वैज्ञानिक सिद्धांतों को दर्शाने वाली आकर्षक प्रदर्शनियां हैं। इस मौके पर एआरपी रितेश कुमार सलाउद्दीन अंसारी, डॉ. शिवशंकर श्रीवास्तव, सुरेश कुमार, ब्रजेन्द्र कुमार, राजेश सिंह, मीना, शिल्पी, संगीता, बबिता, प्रीति सक्सेना आदि शिक्षकों ने भी बच्चों के साथ में विजिट की।

व्यापार मंडल का होली मिलन समारोह कल

लालगंज-रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल लालगंज का होली मिलन समारोह एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम शनिवार 30 मार्च को होगा यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम के अगुवाकार अध्यक्ष विवेक शर्मा, जिला महामंत्री अप्पू शर्मा, उपाध्यक्ष मृत्युंजय बाजपेई, जिला अध्यक्ष रोहित सोनी ने बताया कि व्यापार मंडल प्रतिवर्ष होली मिलन समारोह का कार्यक्रम आयोजित करता है। उसी परिप्रेक्ष्य में तुलसी उत्सव लॉन में इस वर्ष भी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

सोमवार को लगेगा बैदानो बाबा होली मेला

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। बहाई स्थित श्री वीर बैदानों बाबा मंदिर परिसर में परंपरागत होली मेला 1 अप्रैल को लगेगा, यह जानकारी देते हुए मेले के व्यवस्थापक सुशील शुक्ला और देवेश शुक्ला ने बताया कि प्रत्येक वर्ष होली त्यौहार के बाद सोमवार को होली मेला लगता है। उसके एक दिन पूर्व रविवार को रामचरितमानस पाठ प्रारंभ होता है सोमवार को मानस पाठ हवन पूजन के बाद प्रसाद वितरण के साथ समाप्त होता है।

वहीं सोमवार को क्षेत्र के श्रद्धालु मेले में श्री वीर बैदानों बाबा की पूजा अर्चना करने पहुंचते हैं और जिनकी मनौती पूरी हो जाती है। वह ब्राह्मण और कन्या भोज भी करते हैं। उन्होंने बताया कि मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मेले में आने वाले दुकानदारों और श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की सुविधा प्रदान की जाती हैं।

बेदखली

मैं नादिर पुत्र स्व. जाहिद नि. ग्राम कठवारा, थाना- हरचन्दपुर, जि.-रायबरेली का निवासी हूं, अपने पुत्र मो. वैश्य के गलत कृत्यों से क्षुब्ध व परेशान होकर जो आये दिन मारपीट गाली गलौज आदि करता है। जिससे क्षुब्ध होकर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। तथा आज की तारीख से पुत्र मो. वैश्य के द्वारा किये गये कृत्य व लेनदेन से मेरा कोई संबंध नहीं है।

युवती से रेप का प्रयास, हुई मारपीट

फतेहपुर,28 मार्च (नवसत्ता)। एक नाबालिग लड़की के साथ गांव के युवक ने पकड़कर दुष्कर्म का प्रयास किया। लड़की के परिजन चीख पुकार सुनकर पहुंचे तो दोनों पक्ष में जमकर लाठी डंडे चले। पीड़ित लड़की की मां की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। दोनों पक्ष के बीच मारपीट का वीडियो भी वायरल हुआ है।

जिलाधिकारी 1 अप्रैल को करेंगी तरणताल का उद्घाटन

संवाददाता

रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया है कि जनपद के पंडित मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम में स्थित तरणताल का विधिवत उद्घाटन जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के द्वारा 1 अप्रैल 2024 को सांयकाल 4:00 बजे किया जाएगा। तरणताल में बच्चों और बड़ों के लिए अलग-अलग सुविधाएं उपलब्ध हैं। 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चो के लिए 1200 रूपये और 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए 1500 रुपए मासिक शुल्क निर्धारित किया गया है। सभी अभ्यासकर्ता शुल्क जमा करके तरणताल में अभ्यास कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला क्रीड़ा अधिकारी के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

भाजपाईयों ने बूथों पर आयोजित किया होली मिलन समारोह

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। भारतीय जनता पार्टी संगठन ने सरेनी विधानसभा के चार दर्जन से अधिक बूथों पर मेरा परिवार मोदी परिवार बूथ होली मिलन कार्यक्रम आयोजित कर विपक्षियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। लोकसभा प्रभारी वीरेंद्र तिवारी और जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी की प्रेरणा पर सरेनी विधानसभा क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक बूथों पर मेरा परिवार मोदी परिवार बूथ होली मिलन के कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं जिनमे बूथ समिति और पन्ना प्रमुख खासतौर पर अपनी सहभागिता दर्ज करा रहे हैं। भाजपा के होली मिलन कार्यक्रमों में लोग उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। होली मिलन कार्यक्रम में पूरे भिखिया पहुंचे विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए कहा कि होली मिलन हमारा परंपरागत और प्राचीन सनातन धर्म से जुड़ा त्यौहार है जिसकी महिमा का जितना भी गुणगान किया जाए उतना ही कम है। भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला ने कहा कि होली मिलन जहां हमें भाईचारे का संदेश देती है वहीं हम आपस में अंबीर गुलाल लगाकर पुराने से पुराने गिले शिकवे भी मिटा देते हैं। वही कार्यकर्ताओं को बूथ जीतने का संदेश देते हुए कहा कि अगर हमने 20 मई तक जन सरोकार के साथ सक्रियता बरकरार रखी तो निश्चित रूप से बूथ जीतने में सफल होंगे और बूथ जीता तो चुनाव जीता। होली मिलन के विभिन्न कार्यक्रमों में मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, जगन्नाथ पांडे गोविंद सविता, दिवाकर मिश्रा, महेंद्र पटेल, सचिन रस्तोगी, प्रधान राजेश सिंह, के.के.सिंह, कैलाश बाजपेई अर्पित बाजपेई, कौशलेंद्र सोनी, बाबू तिवारी, मुन्नीलाल बाजपेई, अनिरुद्ध त्रिपाठी, आलोक तिवारी, जयशंकर चौधरी, राजेश निर्मल, सुनील मिश्रा शीतला सविता, आदर्श मिश्रा, ओम शरण, अशोक यादव आदि लोग मौजूद रहे।

त्योहर के बाद बढ़े पेट दर्द और डायरिया के मरीज

संवाददाता

उन्नाव, 28 मार्च (नवसत्ता)। होली पर गुझिया और पापड़ ने लोगों की सेहत बिगाड़ी है। लोग पेट दर्द और डायरिया की चपेट में आ रहे हैं। जिला अस्पताल में पेट दर्द और डायरिया के 19 लोगों को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया। ओपीडी में पेट दर्द बुखार और खासी के मरीजों की संख्या 768 मरीज पहुंच गई।

जिला अस्पताल में पेट दर्द और डायरिया के 19 गंभीर मरीज पहुंचे। डॉक्टरों ने उन्हें इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया। हालत यह रही कि दोपहर तक 24 बेड का इमरजेंसी वार्ड के सभी बेड फुल हो गए। इसके बाद एक बेड पर दो-दो मरीजों को भर्ती कर इलाज किया गया। वहीं दो दिन बाद पूरे समय संचालित हुई ओपीडी में भी पेट दर्द उल्टी, बुखार और दस्त के मरीजों की भीड़ रही। पर्चा काउंटर पर पंजीकरण कराने के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। इसके बाद ओपीडी में डॉक्टर को दिखाने के लिए उन्हें कतार में लगकर दिखाना पड़ा। इनमें सबसे अधिक पेट दर्द के 382 मरीज रहें।

होली में खान-पान में लापरवाही की वजह से लोगों के पेट में दिक्कत हो रही है। ऐसे मरीज शरीर में पानी की कमी न होने दें।

इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें अधिक तेल मसाले वाले खाद्य पदार्थों का सेवन बिल्कुल नहीं करना है। पेट की समस्या ठीक न होने तक मूंग की दाल से बनी खिचड़ी खाएं, अधिक परेशानी होने पर डॉक्टर की सलाह लें। ओपीडी में पहुंचने वाले बुखार और पेट दर्द के मरीजों को डॉक्टर जांच कराने की सलाह दे रहे हैं। इससे पैथोलॉजी में भी भीड़ हो रही है।

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय प्रथम रायबरेली। मु0 न0-1181/2023 ई0। धारा-125, सी0आर0पी0सी0 थाना-मोहनगंज, जिला-अमेठी।

कामिनी अवस्थी

बनाम

प्रखर अवस्थी

प्रतिपक्षी-प्रखर अवस्थी पुत्र इन्द्रकुमार अवस्थी निवासी प्लाट नं. 243 सरसवा व थाना- अर्जुनगंज-जिला-लखनऊ।

चूंकि उपरोक्त मामले में आप प्रतिपक्षी है अतः आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप नियत पेशी 05 माह 04 सन् 2024 ई0 पर समय 11 बजे पूर्वान्ह इस न्यायालय में उपस्थित आयें, अन्यथा उक्त आवेदन की सुनवाई एकपक्षीय करके वाद निस्तारित कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक ..... को जारी की गयी।

दिनांकः.....

न्यायालय की मुद्रा

नोटिस नमूना आम

न्यायालय श्रीमान प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय रायबरेली। मु0 न0-135/2024 ई0। धारा-125, सी0आर0पी0सी0 थाना-भदोखर, जिला-रायबरेली।

कान्ती

बनाम

सर्वेश साहू

प्रतिपक्षी-सर्वेश साहू पुत्र भाईदीन निवासी ग्राम पूरे नन्दा म. बेला कुसड़ी, थाना-भदोखर, जिला-रायबरेली।

चूंकि उपरोक्त मामले में आप प्रतिपक्षी है अतः आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप नियत पेशी 25 माह 04 सन् 2024 ई0 पर समय 11 बजे पूर्वान्ह इस न्यायालय में उपस्थित आयें, अन्यथा उक्त आवेदन की सुनवाई एकपक्षीय करके वाद निस्तारित कर दिया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक ..... को जारी की गयी।

दिनांकः.....

न्यायालय की मुद्रा

जिला निर्वाचन अधिकारी ने लोगों को मतदान के लिए किया प्रेरित

संवाददाता

रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जगह जगह मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा। जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार अग्रवाल के साथ विकास खंड ऊंचाहार के प्राथमिक विद्यालय मुस्तफाबाद में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि मतदान हम सभी का अधिकार है। हम सभी को मतदान अवश्य करना चाहिए।

इसके उपरांत लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ विकास खंड ऊंचाहार के प्राथमिक विद्यालय बाबूगंज और उच्च प्राथमिक विद्यालय जगतपुर में मतदान बूथों का निरीक्षण कर संबंधित को निर्देश दिये कि बूथों पर जरूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिससे कि मतदान के दौरान किसी भी प्रकार के असुविधा उत्पन्न न होने पाए।

विदाई कार्यक्रम में बच्चों व अभिभावकों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। प्राथमिक विद्यालय गोकुलपुर अमावां में कक्षा 5 के छात्र छात्राओं की विदाई पार्टी का आयोजन कक्षा अध्यापिका,कार्यक्रम संयोजिका खैरून निसा नकवी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ए.आर.पी.ए. अमावां जगदीश प्रसाद रावत की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ,कार्यक्रम का आरम्भ प्रधान अध्यापिका शशि देवी ने अतिथियों व बच्चों को टीका लगा कर किया।

विदाई कार्यक्रम में बच्चों ने गुरु ब्रह्मा पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया और रैंप वॉक करके बताया कि भविष्य में वह क्या बनना चाहते हैं इन सभी प्रस्तुति को कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों द्वारा मुक्त कंठ से सराहा गया। संपूर्ण शिक्षण सत्र में विशेष चयनित छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल व प्रमाण पत्र दिए गए कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि कक्षा अध्यापिका खैरून निसा ने उन अभिभावकों का भी सम्मान किया जिन्होंने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजा और संपूर्ण स्वच्छ यूनिफॉर्म में भेजा। ऐसे अभिभावक कांकेश बहादुर, शाहीन बेगम, अनीता देवी, तरन्नुम बानो, एवं शिवम पाल सम्मानित हुए अंत में कक्षा अध्यापिका खैरुन्निसा ने सभी बच्चों को वॉटर बॉटल और यादगार के रूप में कक्षा की ग्रुप फोटो भी भेंट की कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदीप कुमार मौर्य, सुभद्रा विश्वकर्मा, सिम्मी शुक्ला, पूनम देवी तथा अभिभावक गण उपस्थित रहे।

बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन का चुनाव 12 अप्रैल को

लालगंज-रायबरेली, 28 मार्च (नवसत्ता)। अधिवक्ता संघ के होने वाले वार्षिक चुनाव की तिथियों का ऐलान होने के बाद चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार अपने समर्थकों से परामर्श करके जीत हार का आकलन कर चुनावी मैदान में उतरने की कोशिश करने कर रहे है। तहसील लालगंज में लालगंज में बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव संपन्न होने जा रहा है जिसकी जानकारी देते हुए चुनाव संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे लक्ष्मी शंकर यादव ने बताया कि 02.04.2024 से 04.04.2024 तक पर्चा विक्रय व दाखिला दिनांक 05.04.2024 को नामांकन पत्र की जांच तथा 06.04.2024 को वापसी होगी।12.04.2024 को मतदान सांयकाल 3 बजे तक होगा तत्पश्चात उसी दिन परिणाम घोषित किया जाएगा।वरिष्ठ गवर्निंग कौंसिल विनोद मौर्य, शिवाकांत द्विवेदी, ब्रजमोहन अवस्थी, घनश्याम यादव, सत्येंद्रनाथ चुनाव संपन्न कराएंगे।

दक्षिण के राज्यों में योगी मॉडल को लेकर उत्सुकता

आज हर राज्य में सुरक्षित महसूस करती हैं यूपी की बेटियां

संवाददाता

लखनऊ, 28 मार्च (नवसत्ता)। वॉटर वुमेन के नाम से मशहूर उत्तर प्रदेश की बेटी शिप्रा पाठक ने अयोध्या से रामेश्वरम तक 3,952 किमी की पदयात्रा के उपरांत अपने अनुभवों को साझा किया है। उन्होंने इस बात पर सबसे ज्यादा हर्ष व्यक्त किया कि योगी आदित्यनाथ का यूपी मॉडल दक्षिण के राज्यों में भी लोकप्रिय है। कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे प्रांतों में योगी मॉडल के प्रति लोगों में काफी उत्सुकता देखने को मिलती है। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि योगी आदित्यनाथ के यूपी के मुख्यमंत्री होने के कारण आज प्रदेश की बेटियों के मन में सुरक्षा की भावना पैदा हुई है। यूपी की बेटियों में सबसे ज्यादा इस बात को लेकर भरोसा पैदा हुआ है कि उनके साथ अगर कुछ भी गलत होता है तो महाराज जी के भय से उनकी सुनवाई हर कहीं होगी। उन्होंने बताया कि योगी आदित्यनाथ आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश के पर्यायवाची बन चुके

हैं। सरयू से सागर तक जाने वाली राम जानकी वन गमन पथ की भारत की प्रथम पदयात्री वॉटर वूमन शिप्रा पाठक ने यात्रा की शुरुआत 27 नवंबर को राम नगरी अयोध्या से की थी। राम नाम के संकल्प के साथ उतर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में पड़ने वाले राम वन गमन पद चिन्ह के साथ साथ चलकर 11 मार्च को उनकी यात्रा रामेश्वरम पहुंची। शिप्रा ने अपनी इस यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उनकी पदयात्रा के साथ-साथ विभिन्न नदियों का जल लेकर एक वाहन भी चल रहा था, जिसपर उत्तर प्रदेश का रजिस्ट्रेशन नंबर अंकित था। ये कार ही उनके यूपी के होने की पहचान थी। वह जहां से भी गुजरतीं, लोग खुशी और आश्चर्य व्यक्त करते हुए ये जरूर पूछते थे की आप योगी जी महाराज के यूपी से आ रही हैं? शिप्रा ने बताया कि यूपी का होना देशभर में आज गर्व का विषय बन चुका है। यूपी और योगी जी दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। वह जहां-जहां भी गईं वहां के लोगों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया, सभी को इस बात की खुशी थी कि वह योगी जी के प्रदेश से आई हैं। जिस प्रकार से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निर्णय लेते हैं उसे लेकर अयोध्या से रामेश्वरम तक हर किसी के मन में आदर का भाव देखने को मिला। ज्यादातर लोग यूपी की कानून व्यवस्था और अयोध्या श्रीराम मंदिर की चर्चा और सराहना करते थे। शिप्रा ने बताया कि पहले नर्मदा परिक्रमा और गोमती पदयात्रा के बाद राम-जानकी वनगमन यात्रा के दौरान वे जहां जहां भी गई वहां लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते दिखे। सबसे ज्यादा इस बात की कि उन्होंने धर्म और आध्यात्म को संरक्षण देने वाले प्रदेश के रूप में यूपी को विकसित किया है। यूपी की विकास यात्रा में धर्म को संरक्षण और विरासत को सम्मान देने के भाव का सभी वर्ग खुलकर स्वागत करते दिखे। शिप्रा पाठक ने बताया कि उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत को भविष्य में होने वाले जल संकट से बचाने के लिए अध्यात्म जागरण से पर्यावरण जागरण की यात्रा है। शिप्रा ने बताया कि उनकी संस्था पंचतत्व के माध्यम से जल संकट को दूर करने के लिए अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि राम-जानकी वन गमन यात्रा के जरिए वह देश में राम-जानकी वन वाटिका लगाने का संकल्प ले चुकी हैं। शिप्रा के अनुसार औषधीय पौधों को संरक्षण देने के लिए इसे आध्यात्मिक स्थलों के साथ जोड़ना होगा। राम-जानकी वन गमन यात्रा के दौरान जहां भी शिलाएं स्थापित की जा रही हैं वहां की सरकार और प्रशासन से मिलकर उन स्थानों पर वाटिकाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मिलकर इस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए प्रयास किये जाएंगे। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि योगी सरकार से सहयोग मिलने के बाद देशभर की राज्य सरकारों से अपने आप सहयोग मिलने लगेगा, क्योंकि महाराज जी सुशासन का जो भी मॉडल प्रस्तुत करते हैं, पूरे देश में उसका अनुसरण किया जाता है। बता दें कि वॉटर वुमेन शिप्रा पाठक मूल रूप से यूपी के दातागंज (बदायूं) की रहने वाली हैं। सोशल एक्टिविस्ट शिप्रा पाठक ने इंग्लिश लिट्रेचर से पोस्ट ग्रेजुएट किया है। इनका राजनीतिक परिवेश से भी जुड़ाव रहा है। शिप्रा की दादी स्व. संतोष कुमारी पाठक दातागंज से चार बार विधायक रह चुकी हैं। इसके अलावा उनके नाना त्रिवेणी सहाय शर्मा भी दातागंज से विधायक रह चुके हैं। उनके पिता का भी संबंध राजनीति से रहा है। इससे इतर शिप्रा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों से जुड़ी रहती हैं। वह भगवा वस्त्र पहनती हैं और नदियों और वनस्पतियों की रक्षा और उसके संवर्धन के संकल्प के साथ अभियानों का नेतृत्व करती हैं। शिप्रा ने इससे पहले मां नर्मदा की 3600 किमी परिक्रमा, मानसरोवर परिक्रम, मां शिप्रा परिक्रमा, सरयू पद यात्रा और ब्रज चौरासी कोसी पद यात्रा करते हुए नदियों के संरक्षण की अलख जगा चुकी हैं। शिप्रा कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित की जा चुकी हैं। इसके अलावा वो एक जानी-मानी मोटिवेशनल स्पीकर भी हैं, जो पूरे देश में युवाओं से जुड़कर उन्हें राष्ट्रहित और प्रकृति से जुड़े मुद्दों को लेकर जागरूक करती हैं।

12 सरकारी सेवाओं के कार्मिकों को पोस्टल बैलेट से मतदान की सुविधा

संवाददाता

लखनऊ, 28 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में 12 सरकारी सेवाओं के कार्मिकों को पोस्टल बैलेट से मतदान करने की सुविधा दी गयी है। नवदीप रिणवा ने बताया कि जो 12 सरकारी विभाग इस सूची में शामिल किये गये हैं, उसमें सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (आकस्मिक एवं एम्बुलेंस सेवा), डाक विभाग, ट्रैफिक पुलिस, रेलवे, विद्युत विभाग, नागरिक उड्डयन विभाग, मेट्रो रेल कारपोरेशन, दूरदर्शन, ऑल इण्डिया रेडियो, भारत संचार निगम लिमिटेड शामिल है। इन विभागों के कार्मिकों को मतदान दिवस से सम्बन्धित ड्यूटी पर एवं मतदान दिवस की कवरेज के लिए पोस्टल बैलेट से मतदान की सुविधा दी गयी है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इन 12 सेवाओं के कार्मिक मतदान दिवस के दिन ड्यूटी पर होने के कारण पोलिंग स्टेशन पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर मतदान करने की स्थिति में नहीं होंगे। उनके द्वारा फार्म-12 डी भरकर और अपने विभाग के नामित नोडल अधिकारी से सत्यापित कराकर सम्बन्धित चरण, निर्वाचन क्षेत्र की अधिसूचना जारी होने के पांच दिन के अंदर रिटर्निंग आफिसर के पास जमा किया जाएगा।

जग में सुंदर हैं दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम

संवाददाता

बिसवां(सीतापुर), 28 मार्च (नवसत्ता)। बिसवां नगर के सेठ गंज स्थित सौभाग्यम रिसॉर्ट में होली मिलन के अवसर पर आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम में नगर वासियों ने फूलों की होली का आनंद लिया और एक दूसरे से गले मिलकर मिटाए गिले शिकवे। वरिष्ठ पत्रकार, समाजसेवी व व्यवसायी मोहित जायसवाल के द्वारा सौभाग्यम रिजॉर्ट में होली मिलन के अवसर पर आयोजित भजन संध्या में नगर के प्रतिष्ठित लोग परिवार के साथ शामिल हुए। प्रख्यात भजन गायक अनुराग रोशन ने शक्ति, ज्ञान, भक्ति एवं विजय के देवता भक्तों के रक्षक बल,बुद्धि और विद्या के दाता हनुमान

जी का स्मरण करते हुए भजन संध्या का शुभारंभ किया। उनके गाए भजन जग में सुंदर हैं दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम,श्याम पिया मोरी रंग दे चुनरिया,हमने गंगा पार किया तुम भाव के पार लगा देना आदि तमाम अमृतमयी मनमोहन भजनों पर भक्तों ने नृत्य करते हुए जमकर लुत्फ उठाया और फूलों की होली खेली। भजन संध्या कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी बिसवां मनीष कुमार, इंस्पेक्टर अनिल सिंह, व्यावसायी कृतिन जायसवाल, प्रदीप कुमार (आर्य जी), भाजपा नेता मन्नू जैन, विशाल गुप्ता अमित जायसवाल,आराध्य शुक्ला, अभिषेक मेहरोत्रा सचिन गुप्ता पप्पू सिंह, राजकुमार जैन(बज), ऋतुराज सिंह, बबलू वर्मा अमझला अनुपम जायसवाल श्वेता रानी जायसवाल सीमा सिंह निधि सिंघल तरनजीत कौर उपस्थित रहें।

नशे में धुत कार सवार कॉन्स्टेबल ने स्कूटी सवार को मरी टक्कर,हालत गंभीर

संवाददाता

लखनऊ, 28 मार्च (नवसत्ता)। कानपुर कैंट में नशे में धुत कार सवार कॉन्स्टेबल ने स्कूटी सवार को उड़ा दिया। हादसे में स्कूटी में बैठे 16 साल के नाबालिग की सिर से लेकर पैर तक तीन जगह से हड्डियां टूट गई और हालत गंभीर बनी हुई है। मौके से भीड़ ने कॉन्स्टेबल को दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया था, लेकिन शातिर कॉन्स्टेबल समझौते का झांसा देकर थाने से भाग निकला। कैंट पुलिस मामले में कॉन्स्टेबल के खिलाफ गुरुवार को रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। बेकनगंज के हीरामन का पुरवा में रहने वाले शाह आलम ने बताया, 26 मार्च की शाम को अपने छोटे भाई 16 साल के

इकराम के साथ स्कूटी से जाजमऊ जा रहे थे। आरोप है कि कटहरीबाग कैंट के पास उल्टी दिशा में आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे इकराम के सिर से लेकर पैर तक 3 जगह की हड्डियां फ्रैक्चर हो गई और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार सवार मौके से भागा, लेकिन अगला पहिया पंचर होने से राहगीरों ने उसे दौड़ाकर दबोच लिया। कार चला रहा वर्दीधारी पहले तो खुद को उन्नाव कोतवाली का दरोगा बताकर रौब गांठने लगा, लेकिन भीड़ ने उसे दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसे के बाद उन्नाव कोतवाली में तैनात कुछ पुलिस कर्मी कैंट थाने पहुंचे। थाने में पीड़ित पक्ष से इलाज कराने और समझौते की बात कही और थाने से भाग निकले। पुलिस कर्मी हॉस्पिटल नहीं पहुंचे। डीसीपी ईस्ट श्रवण कुमार सिंह ने बताया, उन्नाव कोतवाली थाने में तैनात दीवान मनोज कटियार के खिलाफ स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है। जल्द ही उसे हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मामले में पीड़ित परिवार ने कैंट थानेदार और अफसरों पर आरोप लगाया है कि कार सवार पुलिस कर्मी से हादसा हुआ है। इसके चलते कैंट थाने की पुलिस कार्रवाई से बच रही है। पुलिस और पीड़ित दोनों को झांसा देकर आरोपी दीवान मनोज कटियार थाने से भाग निकला, लेकिन किसी भी पुलिस अफसर ने मामले का संज्ञान नहीं लिया है। फरार पुलिस कर्मी को दोबारा हिरासत में भी नहीं लिया है। पीड़ित परिवार ने बताया कि आरोपी पुलिस कर्मी और थानेदार की शिकायत उच्च पुलिस अफसरों से करेंगे।

आग लगने से दर्जनों दुकानें जलकर ख़ाक

संवाददाता

उन्नाव, 28 मार्च (नवसत्ता)। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के कस्बा बाजार में बीती देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में एक कपड़े की दुकान में आग लग गई। धीमे-धीमे आग तेज हो गई और बाजार में कई दुकानों को चपेट में ले लिया। जिससे लाखों रुपए का माल जलकर राख हो गया।

सूचना देने के आधा घंटे बाद दमकल मौके पर पहुंची। सूचना पर पहुंची उप जिलाधिकारी बांगरमऊ क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ तहसीलदार बांगरमऊ नायब तहसीलदार बांगरमऊ ने दमकल कर्मियों ने दो घंटे के मशक्कत कर किसी तरह आग पर काबू पाया।

आग बुझाने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। दुकानों में आग लगने से दुकानदार नुकसान का आकलन नहीं कर सके। फिलहाल बीस लाख से अधिक का नुकसान हुआ है।

यातायात नियमों का पालन न होना सड़क हादसों का बना मुख्य कारण

संवाददाता

अम्बेडकरनगर, 28 मार्च (नवसत्ता)। जिले में आए दिन हो रहे सड़क हादसों के पीछे बड़ी वजह यातायात नियमों का पालन न होना भी है। खटारा वाहनों में मानक से अधिक लोग यात्रा करते हैं। बिना हेलमेट बाइक चलाना व कार जीप में सीट बेल्ट न लगाना आम बात हो गई है। चेकिंग और जुर्माना वसूली के बाद भी सड़क पर अधिकांश लोग नियमों का उल्लंघन करते दिखाई देते हैं। जिन्हें लगता है कि मैं चेकिंग और दुर्घटना का खौफ नहीं है।

ऐसी ही दुर्घटनाओं की कड़ी में जलालपुर कोतवाली अंतर्गत गौरा कमाल गांव के पास जलालपुर रामगढ़ रोड पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने हुई भयंकर टक्कर में पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।बताया जाता है कि एक मोटर साइकिल पर सवार दिनेश पुत्र घनश्याम,पंकज पुत्र राधेश्याम,पिंटू पुत्र मिठाई लाल निवासी चौदह प्राश जलालपुर जा रहे थे।वहीं दूसरी तरफ से आ रहे शशांक निवासी कन्नूपुर, और मौजूदा समय में नेवादा में रहकर दुकान चलाने वाले अमेठी जनपद के निवासी उत्कर्ष जलालपुर कोतवाली अंतर्गत गौरा कमाल के पास आमने सामने टकरा गए ।दोपहर बाद हुई इस दुर्घटना में बाइकों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उस पर सवार युवक दूर छिटक गए।टक्कर की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और ने बचाव कार्य शुरू कर दिया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी नगपुर पहुंचाया जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।जिला अस्पताल पहुंचने पर पंकज तथा शशांक को चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। दो गंभीर रूप से घायल उत्कर्ष और दिनेश को लखनऊ रेफर कर दिया गया जबकि पिंटू का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवो को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।वहीं दूसरे हादसे में ट्रैक्टर की साइड लगने से किशोर मोहम्मद रेहान पुत्र मोहम्मद मुस्लिम निवासी रुदौली अदाई की मौत हो गयी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

संदिग्ध परिस्थिति में टावर में लगी आग

संवाददाता

अम्बेडकरनगर, 28 मार्च (नवसत्ता)। जनपद में अकबरपुर थाना इलाके के पहितीपुर बाजार में स्थित टावर में मंगलवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग से अफरातफरी मच गई। आग लगने की सूचना पर आसपास के लोग इकठ्ठा हो गए और सूचना फायर बिग्रेड को दी। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम और स्थानीय लोगों ने करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया।सूचना के अनुसार अकबरपुर थाना इलाके के पहितीपुर बाजार में मोबाइल कंपनी का टावर लगा है। रात करीब 12 बजे टावर में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग लगी। आग लगने से टावर से धुआं निकलने लगा जो धीरे धीरे भयंकर रूप ले लिया। आग लगने की सूचना पर

आसपास के लोग पंहुचे और आग को बुझाने का प्रयास किया, पर काबू न पा सके।इसके बाद लोगों ने घटना की सूचना फायर बिग्रेड को दी। सूचना पर पहुंची फायर की टीम ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक टावर का लाखों का समान जलकर राख हो चुका था। प्रभारी निरीक्षक अकबरपुर बीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि आग लगने की सूचना पर पुलिस एवं फायर की टीम ने पहुंचकर आग को बुझाया। मामले की जांच की जा रही है।

एसोचैम का 10वां एमएसएमई विशेष सम्मान व पुरस्कार समारोह सम्पन्न : जेपी सिंह

संवाददाता

लखनऊ, 28 मार्च (नवसत्ता)। , इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान मे एसोचैम द्वारा 10वें एमएसएमई पुरस्कार सम्मान वितरण समारोह राकेश सचान मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि,अवनीश अवस्थी सलाहकार मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, जितेन्द्र प्रताप सिंह सदस्य उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद ,आलोक पाठक विशिष्ट आमन्त्रित अतिथि के रूप मे सहभागिता मे रिबन काट कर प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन पश्चात देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए लगभग 57 आकर्षक स्टालों का विधिवत निरीक्षण कर अतिथियों ने

जानकारी प्राप्त कर विशिष्टता व विलक्षण कला की खुले हृदय से प्रशंसा करते हुए जी आई टैगिंग व एमएसएमई प्रोत्साहन हेतू एसोचैम के प्रयासों की सराहना की। विशेष समारोह मे चयनित सफल विशिष्ट उत्पादकों को राकेश सचान मंत्री, अवनीश अवस्थी सलाहकार के करकमलों से ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि राकेश सचान ने अपने सम्बोधन मे ओडीओपी व विशकर्मा सम्मान योजना के महत्व तथा प्रधानमंत्री,मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी सार्थक सारगर्भित प्रयासों की सफलता ने देश व उद्योगों के विकास, निर्यात तथा उन्नयन को नई उंचाई प्रदान करने प्रकाश डाला। जितेन्द्र प्रताप सिंह सदस्य उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद ने आमंत्रित करने हेतू आभार व्यक्त कर त्रीदिवसीय गौष्ठी की सफलता के लिए सफलता की कामना की। जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन उद्योग जगत मे नवचेतना सहित नवाचार के लिए प्रेरित करते है ।

अतीक का नजदीकी अपराधी बल्ली पंडित गिरफ्तार

संवाददाता

प्रयागराज, 28 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश में प्रयागरज के खुल्दाबाद क्षेत्र में माफिया अतीक अहमद के शूटर को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके पास से करीब दस देशी बम जब्त किये। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि करेली के नयापूरा निवासी बालू-गिट्टी के ठेकेदार श्याम पाल ने बुधवार शाम को वह खुल्दाबाद थाने शिकायत दर्ज करायी कि बल्ली पंडित ने उसे 22 मार्च की रात लगभग आठ बजे चौफटका पुल के नीचे रोका और तमंचे की नोक पर 20 हजार रूपए छीन लिए। उन्होंने बताया कि श्यामल की शिकायत पर पुलिस घेराबंदी कर उसे चकिया क्षेत्र से देर रात गिरफ्तार कर उसके पास से करीब दस देशी बम जब्त किया। बल्ली पंडित हार्डकोर अपराधी है। वह धूमनगंज थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसपर करीब 15 मुकदमे दर्ज हैं। गौरतलब है कि अतीक अहमद के

साबरमती जेल में रहने के दौरान वह उसी के इशारे पर जमीन पर कब्जे और रंगदारी मांगने की वारदातों को अंजाम देता रहा। उमेश पाल हत्याकांड के बाद उसका नाम तब चर्चा में आया जब उसका शाइस्ता परवीन के साथ वीडियो वायरल हुआ। उमेश पाल की हत्या से पहले अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन बल्ली से मिलने उसके घर पहुंची थी। वहां से निकलते वक्त सभी की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस दौरान शाइस्ता के साथ पांच लाख का इनामी फरार शूटर साबिर भी नजर आया था। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल की रात प्रयागराज में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दोनों को पुलिस बेली अस्पताल मेडिकल चेकअप के लिए ले गई थी। वहीं पर तीन शूटरों ने गोली मार कर उनकी हत्या कर दी थी।

मेजर डिग्री के साथ ही माइनर्स एवं ऑनर्स भी कर सकेंगे एकेटीयू के छात्र

संवाददाता

लखनऊ, 28 मार्च (नवसत्ता)। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने बीटेक छात्रों को मेजर डिग्री के साथ ही माइनर्स एवं ऑनर्स डिग्री लेने का अवसर दिया है। सत्र 2023-24 में बीटेक के चौथे सेमेस्टर में पढ़ रहे छात्र अपनी मेजर डिग्री के साथ ही माइनर्स या ऑनर्स डिग्री का विकल्प चुन सकेंगे। छात्र चौथे सेमेस्टर में रजिस्ट्रेशन के समय माइनर्स या ऑनर्स डिग्री के चयन का विकल्प भर सकता है। प्रत्येक माइनर्स या ऑनर्स डिग्री पाठ्यक्रम पांच विषयों 18 से 20 क्रेडिट का एक ट्रैक होगा। जिसे चौथे से आठवें सेमेस्टर तक सामान्यतया एक अतिरिक्त विषय के रूप में चलाया जाएगा। छात्रों को मेजर डिग्री के साथ ही ऑनर्स डिग्री के पाठ्यक्रम को पूरा करना होगा। माइनर डिग्री मेजर डिग्री से अलग ब्रांच की होगी जबकि ऑनर्स डिग्री मेजर डिग्री की विशेष ब्रांच होगी। यदि कोई छात्र ऑनर्स डिग्री के पाठ्यक्रम को पूरा नहीं कर पाता तो मेजर डिग्री पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। वहीं छात्र की ओर से माइनर्स एवं ऑनर्स डिग्री के पूरे किये गये विषयों को उसके मेजर डिग्री की अंक तालिका में अतिरिक्त विषय और क्रेडिट के रूप में दर्ज किया जाएगा। जिससे कि छात्रों को इसका लाभ आगे मिल सके। छात्र की डिग्री पर मेजर डिग्री के साथ ही माइनर्स एवं ऑनर्स डिग्री का भी उल्लेख किया जाएगा। माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय के निर्देश पर डीन यूजी प्रो0 गिरीश चंद्रा ने सभी संबद्ध संस्थानों को पत्र जारी कर इच्छुक छात्रों के लिए माइनर्स एवं ऑनर्स डिग्री का विकल्प देने और पढ़ाई की व्यवस्था करने को कहा है।

इनमें कर सकेंगे आनर्स

इरिगेशन एंड ड्रेनेज इंजीनियरिंग, फार्म मशिनरी एंड पावर इंजीनियरिंग, प्रोसेस एंड फूड इंजीनियरिंग,सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटेशनल बायोलोजी एंड बायोइंफॉर्मेटिक्स,थ्री डी प्रिंटिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी,इंवायरमेंटल इंजीनियरिंग,जियोइंफॉमेर्टिक्स,जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग,स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग, वाटर रिसोर्स इंजीनियरिंग,पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, साइबर सिक्योरिटी, एडवांस कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी, सेंसर एंड ट्रांसड्यूसर टेक्नोलॉजी, कन्वर्टर एंड ड्राइव्स,मिल्क एंड मिल्क प्रोडक्ट टेक्नोलॉजी,इलेक्ट्रिक एंड हाइब्रिट वेहिक्ल्स,स्मार्ट मैटेरियल्स एंड स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग,रोबोटिक्स एंड आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, फंक्शनल टेक्सटाइल्स वही माइनर डिग्री के लिए 11 ब्रांच तय किया गया है। ये होंगे फायदे नई शिक्षा नीति को लागू करते हुए विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों को अधिक रोजगार परक शिक्षा देने की व्यवस्था की है। इस क्रम में बीटेक छात्र नई तकनीकी में विशेषज्ञता हासिल कर सकेंगे। उद्योगों की मांग के अनुसार छात्र पूरी तरह से तैयार रहेंगे।

मुख्य सचिव ने आम चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दिए निर्देश

संवाददाता

लखनऊ, 28 मार्च (नवसत्ता)। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में लोकसभा आम चुनाव, 2024 की तैयारियों के सम्बन्ध में अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित हुयी। बैठक में 9 राज्यों झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, हिमाचाल प्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान व दिल्ली के मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से प्रतिभाग किया। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने सम्बन्धित राज्यों के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक से लोक सभा चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराने में सहयोग करने की अपेक्षा की। सीमावर्ती जनपदों में ऐसी कोई गतिविधि न हो, जिससे आम चुनाव प्रभावित हो। अवैध नकदी, अवैध शराब आदि के प्रवाह को रोकने के लिये सीमाओं पर निगरानी बढ़ानी होगी और कण्ट्रोल रूम के माध्यम से सूचनाओं का आपस में आदान-प्रदान करना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अन्तर्राज्यीय सीमाओं के आस-पास नशीले पदार्थो की तस्करी के विरुद्ध विशेष आभियान चलाया जाये। संवेदनशील व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विशेष तौर पर निगरानी रखी जाये। इसी प्रकार अंतर्राष्ट्रीय माफिया और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखी जाये। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर निगरानी रखते हुये अफवाह फैलाने वालों पर कार्यवाही की जाये। बार्डर एरिया से सम्बन्धित जिलाधिकारी, पुलिस अधिकारी व थानाध्यक्ष आपसी समन्वय बैठक कर लें। इसके अलावा निरन्तर संवाद बनाये रहें।

सम्पादकीय

चीनी नागरिकों को क्यों मार रहे पाकिस्तानी?

बारूद के ढेर पर बैठे आतंकी मुल्क पाकिस्तान में हर तरफ तबाही और बर्बादी के निशान नजर आए। पाकिस्तान अब आतंक की आग में खुद झुलस रहा है। आतंकी ब्लास्ट की सीरिज में अब बड़ा आतंक हमला खैबर पख्तूनवा में हुआ है। इसमें छह लोगों की मौत हो गई। इस हमले का दर्द पाकिस्तान के मददगार चीन ने भी महसूस किया। मरने वालों में पांच लोग तो केवल चीन के थे।

हमलावरों ने चीनी नागरिकों के काफिले को निशाना बनाया। ये बड़ा आतंकी हमला खैबर पख्तूनवा इलाके के सांग्ला जिले के बेशम इलाके में हुआ। बताया जा रहा है कि आत्मघाती हमलावरों ने विस्फोटकों से भरी कार चीनी इंजीनियरों के काफिले में घुसा दी। टक्कर के बाद चीनी इंजीनियरों की कार खाई में गिर गई। इस जबरदस्त धमाके में पांच चीनी इंजीनियरों की मौत हो गई। जबकि एक ड्राइवर को भी अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी चीनी इंजिनयर दासू में अपने कैंप की ओर जा रहे थे। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि आतंकियों ने जान-बूझकर चीनी अधिकारियों को निशाना बनाया। सवाल उठता है कि पाकिस्तान और चीन सरकार की दोस्ती के बीच वे कौन लोग या ग्रुप हैं जो पाकिस्तान में चीनी नागरिकों से नाराज हैं और क्यों?

दासू पहले भी आतंकियों के निशाने पर रहा है। साल 2021 में भी एक बड़ा हमला हुआ था। पाकिस्तान के आतंकी हमले में 9 चीनी इंजीनियर मारे गए थे। जब चीनी इंजीनियर से भरी बस पर अटैक हुआ था। हमले में नौ चीनी इंजीनियर समेत 12 की मौत हुई। नागरिकों पर हुए हमले की जांच के लिए चीन ने एक टीम भी पाकिस्तान भेजी थी। लेकिन अब चीनी नागरिकों की मौत पर पाकिस्तान घबराया हुआ है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ खुद भागते दौड़ते चीन के दूतावास पहुंचे। इस दौरान उनके चेहरे पर चिंता की लकीरें भी नजर आने लगी। वो नहीं चाहते कि किसी भी कीमत पर चीन उनसे नाराज हो। चीनी इंजीनियरों की मौत ने पाकिस्तान की परेशानी बढ़ा दी है। वहीं चीन को भी बड़ा सबक मिला है। इसके साथ ही दूसरे देशों के लिए भी सीख है। जो पाकिस्तान को बारूद मुहैया करा रहा था अब उसकी लपटें उसे भी अपनी चपेट में ले रही है।

खैबर पख्तूनख्वा में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेने वाली वलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) में वे लोग शामिल है, जो मानते हैं कि भारत पाकिस्तान बंटवारे के समय उन्हें जवरदस्ती पाकिस्तान में शामिल कर लिया गया, जबकि वे खुद को एक आजाद मुल्क के तौर पर देखना चाहते थे। इसलिए बलूचिस्तान प्रांत से जुड़ी इस आर्मी का पाकिस्तान की सरकार और वहां की सेना से संघर्ष चलता रहता है। बीएलए और कुछ अन्य ग्रुप बलूचिस्तान की आजादी के लिए एक्टिव हैं। माना जाता है कि बीएलए पहली वार 1970 के दशक में वजूद में आया और जुल्फिकार अली भुट्टो की सरकार के खिलाफ सशस्त्र बगावत शुरू की। 2000 से इस संगठन ने फिर हमले तेज किए। 2007 में पाकिस्तान सरकार ने बीएलए को आतंकी संगठनों की सूची में डाल दिया। इसके बाद यह संगठन खुलकर सरकार के खिलाफ हो गई।

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे कम आबादी वाला, लेकिन खनिज संसाधनों के मामले में बेहद धनी प्रांत है। बलूच लोगों की लंबे समय से शिकायत रही है कि उन्हें प्रांत के मुनाफे का उचित हिस्सा नहीं मिलता है। इसकी वजह से वहां कई अलगाववादी समूह बन गए हैं। सीपीईसी परियोजना चीन की विशाल बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की बुनियाद है। यह चीन के पश्चिमी शिनजियांग प्रांत को दक्षिण पश्चिम में ग्वादर बंदरगाह से जोड़ने वाला प्रोजेक्ट है। बीएलए बलूचिस्तान को न सिर्फ पाकिस्तान सरकार, बल्कि किसी भी विदेशी प्रभाव से आजादी दिलाना चाहता है। बलूचिस्तान के लोग चीनी कॉरिडोर का शुरू से विरोध कर रहे हैं। वहां की ट्राइबल कम्युनिटी को डर है कि बाहरी लोग यहां बसेंगे तो यहां के डेमोग्राफी पर प्रभाव पड़ेगा। इस मिनरल रिच इलाके के दोहन का फायदा पाकिस्तान की राजनीति को डॉमिनेट करने वाले एलीट क्लास को ही होगा। बाहरी दखल से बलोच विद्रोहियों को अपने आंदोलन के कमजोर होने का भी खतरा है, इसलिए भी वे प्रोजेक्ट पर काम करने वाले चीनी इंजिनियरों को निशाना बना रहे हैं। लगातार हमलों से प्रोजेक्ट में हो रही देरी और बढ़ते खर्च से चीन परेशान है। वह अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए चीनी आर्मी लगाने की फिराक में भी है, जिसके लिए पाकिस्तान तैयार नहीं हो रहा है। बीएलए का मानना है कि चीन का बढ़ता प्रभाव उसके मंसूबों में एक बड़ी रुकावट वन सकता है। इसलिए चीनी नागरिक उसके टारगेट पर है। पाकिस्तान में अब तक बलोच लिबरेशन आर्मी की ओर से किए गए अलग अलग हमलों में 28 से ज्यादा चीनी नागरिक अपनी जान गंवा चुके हैं। चीनी नागरिकों पर हो रहे हमले चीन सरकार के लिए बड़ी परेशानी है। दरअसल पाकिस्तान में प्रस्तावित चीन का सीपीईसी तकरीबन 60 अरब डॉलर की योजना है, जिस पर एक बड़ा हिस्सा चीन खर्च कर चुका है।

मुद्दा

चुनाव में भाषा का संयम व वचनों की मर्यादा जरूरी

ललित गर्ग

लोकसभा चुनावों जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, कई नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ आपत्तिजनक हैं बल्कि राष्ट्र-तोड़क है। चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं।

गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है। एक तरफ गर्मी चुभन का अहसास करा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हलकों में भाषायी अभद्रता एवं उच्छृंखलता घाव पर नमक छिड़क रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है। राहुल गांधी की 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' संबंधी टिप्पणी 'शक्ति से जुड़े धार्मिक मूल्यों का अपमान करने और कुछ धार्मिक समुदाय' के तुष्टीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूप्रसाद यादव का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप भाजपा के लिये रामबाण औषधि बना है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत को लेकर किए पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो के साथ भद्दा कमेंट महिला-शक्ति का अपमान बना है। ईवीएम के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही है और कहा जा रहा है कि तथ्यों के सत्यापन के बिना इस तरह का

'दुष्प्रचार और गलत सूचना' राष्ट्रीय अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए नुकसानदायक है। ईवीएम और निर्वाचन आयोग के बारे में भ्रामक टिप्पणी 'लोक अव्यवस्था पैदा करने के इरादे' से की गई हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव के चरण आगे बढ़ रहे हैं, विवादास्पद बयानों की झड़ी भी लगने लगी।

हमारे देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल-बयान एक महत्वपूर्ण अंग होती है। लोकतंत्र में उसी नेता का बोल-बाला होता है जिसकी भाषा एवं वचनों पर पकड़ मजबूत होती है। आजादी के बाद देश में जिस प्रकार राजनीति में बदलाव आता गया, उसी प्रकार राजनेताओं की भाषा और आरोप-प्रत्यारोप की शैली भी बदलती गई। आज कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने विपक्षी राजनेता को 'पप्पू' जैसे शब्दों से ताना मारते हैं, तो कोई विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये चौकीदार चोर है या चायवाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्या हमारे देश की राजनीति में मर्यादा नाम का कोई शब्द बचा है? ऐसी अभद्र भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि उसका उनकी पार्टी पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है। चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने तो सारी हदें पार कर दी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने ईवीएम की निंदा 'चोर' के रूप में की थी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है।

मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार-तार करने वाले इन नेताओं को आत्म-चिंतन की सख्त जरूरत है। मर्यादित भाषा में विभिन्न दलों और नेताओं की आलोचना इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है। भाषा की मर्यादा और वाणी में संयम भारत के लोकतंत्र का आधार है। बेलगाम भाषा से क्षणिक प्रचार और सुर्खियां बटोरना सम्भव है लेकिन अतीत में ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं जो ये दर्शाते हैं कि ऐसे नेताओं को जनता भी कुछ समय बाद ही भूल जाती है। नेताओं को हर हालत में भाषा की मर्यादा एवं शालीनता को बनाए रखना चाहिए। भले ही चुनाव का वक्त आसमान से तारे तोड़ लाने के वायदे करने का वक्त है और खामियों को दबाने और उपलब्धियों के बखान का वक्त है। लेकिन यह सब करते हुए भाषा की शालीनता एवं कड़वे बोल से बचने की जरूरत है।

यह वक्त मतदाता के जागने एवं विवेक से मतदान करने का भी है। वह अच्छे-बुरे का फर्क करके तार्किक आधार पर अपने बेशकीमती मत का उपयोग करे। विडंबना ही है कि अमृतकाल से गुजरते देश में मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग विष और अमृत के भेद को पूरी तरह महसूस नहीं कर पाया है।

राजनीति

महाराष्ट्र में इंडिया ब्लॉक का गणित बिगाड़ देगा अकोला पैटर्न?

अभिनय आकाश

महाराष्ट्र की राजनीति इन दिनों सबसे जटिल नजर आ रही है। एनडीए में जहां इन दिनों सीट शेयरिंग को लेकर खार परेशानी नहीं है। वहीं एमवीए में खींचतान सबसे ज्यादा है। इन सब के बीच जो सबसे अहम है वो सर्वाइवल है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये चुनाव कई सियासी दिग्गजों का भविष्य तय करने वाला है। जो सर्वाइव करेगा वो टिकेगा और जो सर्वाइव नहीं कर पाएगा उसका सियासी वजूद भी दांव पर लग जाएगा।

महाविकास अघाड़ी में फूट पड़ती नजर आ रही है। शिवसेना उद्धव गुट ने 17 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया। इनमें से 3 सीटों पर कांग्रेस के दावेदार टिकट का इंतजार कर रहे थे। वहीं वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रकाश अंबेडकर ने महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी या एमवीए से नाता तोड़ लिया है और घोषणा की है कि पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट ने महाराष्ट्र में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए 16 उम्मीदवारों की घोषणा की, जहां वे विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के हिस्से के रूप में चुनाव लड़ेंगे। वरिष्ठ नेता अनिल देसाई के नाम की घोषणा पहले ही कर दी गई थी। उद्धव ठाकरे की पार्टी के 17 लोकसभा उम्मीदवारों में देसाई के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंत गीते और अरविंद सावंत प्रमुख नामों में शामिल हैं। पार्टी सांसद गजानन कीर्तिकर के बेटे अमोल कीर्तिकर को भी लोकसभा उम्मीदवार बनाया गया है। अनिल देसाई को मुंबई दक्षिण मध्य लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि अमोल कीर्तिकर को उत्तर पश्चिम मुंबई से और अरविंद सावंत को दक्षिण मुंबई से उम्मीदवार बनाया गया

है। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) दलों के बीच दरार तब खुलकर सामने आ गई जब कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए मुंबई की चार सीटों के लिए समय से पहले उम्मीदवारों की घोषणा करने के लिए शिवसेना (यूबीटी) पर तीखा हमला बोला। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, निरुपम ने कहा कि मुंबई उत्तर-पश्चिम सीट के लिए अमोल कीर्तिकर की उम्मीदवारी की घोषणा गठबंधन धर्म का उल्लंघन बताया और उन्होंने शिव सेना (यूबीटी) नेता को खिचड़ी चोर कहा। निरुपम ने उद्धव सेना गुट पर बिना किसी रोक-टोक के हमला बोलते हुए कहा कि शिवसेना ने एक खिचड़ी चोर को टिकट दिया है। हम खिचड़ी चोर उम्मीदवारों के लिए काम नहीं करेंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय निरुपम नाराज हैं, वे मुंबई नॉर्थ-वेस्ट से लोकसभा लड़ने की तैयारी कर रहे थे। उन्हें खुद राहुल गांधी ने टिकट का भरोसा दिया था।

इन दिनों राज ठाकरे को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में चर्चाओं का बाजार काफी गर्म रहा। कहा जा रहा है कि वो एनडीए में शामिल हो रहे हैं। जिससे एनडीए का कुनबा काफी बड़ा हो जाएगा। सीएम शिंदे के सामने एक बड़ा प्रेशर है।

बीजेपी के बाद सबसे ज्यादा सीटें शिंदे सेना को मिल रही हैं। ऐसे में अगर एकनाथ शिंदे शिवसेना का कोर वोट अपने साथ नहीं ला पाते हैं तो उनकी आगे राह बहुत मुश्किल होगी। इसे हम बिहार के चिराग मॉडल से समझ सकते हैं। बीजेपी द्वारा पशुपति पारस के बजाए चिराग पासवान को तरजीह देना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

अकोला में एक संवाददाता सम्मेलन में प्रकाश अंबेडकर ने बुधवार को आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। अंबेडकर ने आरोप लगाया कि एमवीए गठबंधन में मनोज जरांगे पाटिल फैक्टर पर विचार करने के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया कि एमवीए अपनी वंशवाद की राजनीति को बचाने के लिए वीबीए का इस्तेमाल करना चाहता था। वीबीए लगातार बयान दे रहा था और अपने समर्थकों को सीट-बंटवारे के फॉर्मूले में प्रगति के बारे में सूचित कर रहा था। एमवीए घटकों के बीच 15 संसदीय क्षेत्रों को लेकर विवाद है।

महाराष्ट्र की सियासत में प्रकाश आंबेडकर इतने अहम क्यों हैं? पहला- बाबा साहेब के पोते होने के नाते उनकी विरासत का प्रतीक है। दूसरा, पेशे से वकील प्रकाश आंबेडकर ने राज्य में दलितों अल्पसंख्यों सहित हर तरह के वंचितों के लिए बकायदा रणनीतिबद्ध तरीके से काम किया, उनसे खुद को जोड़ा, जिसकी वजह से वह दलितों और वंचितों का एक बड़ा चेहरा बने। महाराष्ट्र की राजनीति में इसे अकोला पैटर्न के नाम से जाना जाता है। उनकी पार्टी अकोला बेस्ड है, इसलिए उनकी इस रणनीति को अकोला पैटर्न का नाम तो दिया गया।

पिछले लोकसभा चुनाव में प्रकाश आंबेडकर और असदुद्दीन ओवैसी ने मिलकर चुनाव लड़ा था। दोनों ने मिलकर महाराष्ट्र में लगभग 14 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। इसकी वजह से इंडिया गठबंधन के दो अहम घटक कांग्रेस और एनसीपी को कई सीटों पर भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

अपनी बात

पश्चिमी यूपी का 'आजम' बनने की चाहत में कट गया मुरादाबाद के सांसद का पत्ता

अजय कुमार

पश्चिमी यूपी की मुस्लिम बाहुल्य सीट मुरादाबाद का मिजाज हमेशा यहां के मुस्लिम वोटर तय करते हैं। इसीलिये यहां बीजेपी आसानी से अपने कदम नहीं जमा पाती है।17 बार हुए लोकसभा चुनाव में यहां से सिर्फ दो बार 1967 और 1977 में भारतीय जनसंघ का प्रत्याशी जीता था, जबकि 2014 में मोदी लहर में बीजेपी के कुंवर सर्वेश कुमार सिंह विजयी हुए थे।

बाकी के चुनावों में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और जनता पार्टी या जनता दल का प्रत्याशी ही जीतता रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से एसटी हसन चुनाव जीते थे। एसटी हसन एक काबिल नेता हैं, उनकी सियासी महत्वाकांक्षा भी काफी अधिक है, लेकिन उनकी यह महत्वाकांक्षा आजम खान के रहते पूरी नहीं हो पा रही है। जब से पश्चिमी यूपी में समाजवादी पार्टी के कद्दावर मुस्लिम चेहरा आजम खान कोर्ट कचहरी के चक्कर में पड़े हैं तभी से एसटी हसन पश्चिमी यूपी में आजम खान की जगह अपने आप को स्थापित करने में लगे थे, इस बात का अहसास बुरे दौर से गुजर रहे आजम खान को भी था, लेकिन वह समय का इंतजार करते रहे और जब चुनाव का बिगुल बजा तो आजम ने अपनी ताकत दिखा कर एसटी हसन का घोषित हो गया टिकट कटवा दिया,ऐसा तब हुआ जब वह नामांकन भी कर चुके थे। समाजवादी पार्टी ने नामांकन के अंतिम दिन आखिरी घंटे में एसटी हसन का टिकट काटकर रुचि वीरा को उम्मीदवार बना दिया है। यह सब तब हुआ जब अखिलेश यादव ने सीतापुर की जेल जाकर आजम खान से मुलाकात की थी, बताया जा रहा है कि आजम नाराज चल रहे थे और उन्होंने जनता से चुनाव का बहिष्कार करने तक का आहवान कर डाला था, जिसका सीधा असर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों पर पड़ता।आजम नाराज थे कि क्यों बिना उनकी मर्जी के मुरादाबाद और रामपुर का टिकट घोषित किया गया। इसी के बाद एसटी हसन का टिकट काट कर पूर्व विधायक रूचि वीरा को मुरादाबाद से सपा का प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। पूर्व विधायक रुचि वीरा सपा के कद्दावर नेता आजम खान की करीबी मानी जाती है। एसटी हसन के समर्थकों ने आजम खान पर गंभीर आरोप लगाया है। समर्थकों का कहना है कि एसटी हसन का टिकट सपा नेता आजम खान के इशारे पर काटा गया है। फिलहाल अब मुरादाबाद सीट से आजम की करीबी रुचि वीरा सपा की अधिकृत उम्मीदवार हो गई हैं। इसको लेकर मुरादाबाद के जिलाधिकारी मानवेन्द्र सिंह ने आधिकारिक घोषणा भी कर दी है। वहीं, एसटी हसन ने नामांकन वापस लेने का ऐलान कर दिया है।

दरअसल, इस पूरे घटनाक्रम की कहानी सीतापुर जेल में शुरू हुई थी। सपा मुखिया अखिलेश यादव बीते 22 मार्च को आजम खान से मुलाकात करने सीतापुर जेल पहुंचे थे। उस मुलाकात के दौरान सपा के कद्दावर नेता आजम खान ने दो शर्तें रखी थीं, जिसमें से एक शर्त मुरादाबाद सीट से रुचि वीरा को उम्मीदवार घोषित करने की थी। रुचि वीरा आजम खान की बेहद करीबी मानी जाती हैं। साथ ही दूसरी शर्त आजम खान ने अखिलेश यादव को खुद रामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की रखी थी, लेकिन उसके बावजूद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एसटी हसन का नाम 24 मार्च को मुरादाबाद सीट से घोषित कर दिया था।

चिंतन

तमाम चुनौतियां और 2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य

ब्रह्मानंद राजपूत

टीबी एक घातक संक्रामक रोग है जो कि माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस जीवाणु की वजह से होती है। टीबी आमतौर पर ज्यादातर फेफड़ों पर हमला करता है, लेकिन यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित कर सकता हैं। यह रोग हवा के माध्यम से फैलता है। जब क्षय रोग से ग्रसित व्यक्ति खांसता छींकता या बोलता है तो उसके साथ संक्रामक ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई उत्पन्न होता है जो कि हवा के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है।

ये ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई कई घंटों तक वातावरण में सक्रिय रहते हैं। जब एक स्वस्थ्य व्यक्ति हवा में घुले हुए इन माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस ड्रॉपलेट न्यूक्लिआई के संपर्क में आता है तो वह इससे संक्रमित हो सकता है। क्षय रोग सुप्त और सक्रिय अवस्था में होता है। सुप्त अवस्था में संक्रमण तो होता है लेकिन टीबी का जीवाणु निष्क्रिय अवस्था में रहता है और कोई लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। अगर सुप्त टीबी का मरीज अपना इलाज नहीं कराता है तो सुप्त टीबी सक्रिय टीबी में बदल सकती है। लेकिन सुप्त टीबी ज्यादा संक्रामक और घातक नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व में 2 अरब से ज्यादा लोगों को लेटेंट (सुप्त) टीबी संक्रमण है। सक्रिय टीबी की बात की जाए तो इस अवस्था में टीबी का जीवाणु शरीर में सक्रिय अवस्था में रहता है, यह स्थिति व्यक्ति को बीमार बनाती है। सक्रिय टीबी का मरीज दूसरे स्वस्थ्य व्यक्तियों को भी संक्रमित कर सकता है, इसलिए सक्रिय टीबी के मरीज को अपने मुँह

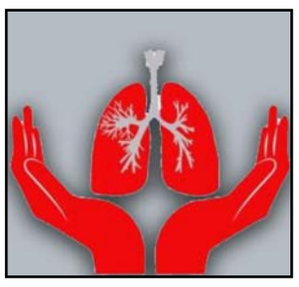

पर मास्क या कपड़ा लगाकर बात करनी चाहिए और मुंह पर हाथ रखकर खांसना और छींकना चाहिए। अगर टीबी का जीवाणु फेफड़ों को संक्रमित करता है तो वह पल्मोनरी टीबी (फुफ्फुसीय यक्ष्मा) कहलाता है। टीबी का बैक्टीरिया 90 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में फेफड़ों को प्रभावित करता है। लक्षणों की बात की जाए तो आमतौर पर लंबे समय तक खांसी सीने में दर्द, बलगम, वजन कम होना बुखार आना और रात में पसीना आना शामिल हो सकते हैं। कभी-कभी पल्मोनरी टीबी से संक्रमित लोगों की खांसी के साथ थोड़ी मात्रा में खून भी आ जाता है। लगभग 25 प्रतिशत से ज्यादा मामलों में किसी भी तरह के लक्षण नहीं दिखाई देते हैं।

अगर टीबी का जीवाणु फेंफड़ों की जगह शरीर के अन्य अंगों को प्रभावित करता है तो इस प्रकार की टीबी एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इतर फुफ्फुसीय यक्ष्मा) कहलाती है। एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी पल्मोनरी टीबी के साथ भी हो सकती है। अधिकतर मामलों में संक्रमण फेंफड़ों से बाहर भी फैल जाता है और शरीर के दूसरे अंगों को प्रभावित करता है। जिसके कारण फेंफड़ों के अलावा अन्य प्रकार के टीबी हो जाते हैं। फेंफड़ों के अलावा दूसरे अंगों में होने वाली टीबी को सामूहिक रूप से एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इतर फुफ्फुसीय यक्ष्मा) के रूप में चिह्नित किया जाता है। एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इतर फुफ्फुसीय यक्ष्मा) अधिकतर कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों और छोटे बच्चों में अधिक आम होता है। एचआईवी से पीड़ित लोगों में, एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इतर फुफ्फुसीय यक्ष्मा) 50 प्रतिशत से अधिक मामलों में पाया जाता है।

आज के समय पर सामान्य टीबी का इलाज कोई चुनौती नहीं है। अगर कोई भी व्यक्ति टीबी का मरीज है तो वह 6-9 महीने टीबी का उपचार लेकर स्वस्थ्य हो सकता है। आज के समय पर सबसे बड़ी चुनौती है ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के इलाज की, जो कि दो प्रकार की होती है मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी और एक्सटेनसिवली ड्रग रेजिस्टेंट टीबी। मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी में फर्स्ट लाइन ड्रग्स का टीबी के जीवाणु (माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरक्लोसिस) पर कोई असर नहीं होता है। अगर टीबी का मरीज नियमित रूप से टीबी की दवाई नहीं लेता है या मरीज द्वारा जब गलत तरीके से टीबी की दवा ली जाती है या मरीज को गलत तरीके से दवा दी जाती है और या फिर टीबी का रोगी बीच में ही टीबी के कोर्स को छोड़ देता है (टीबी के मामले में अगर एक दिन भी दवा खानी छूट जाती है तब भी खतरा होता है) तो रोगी को मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी हो सकती है। इसलिए टीबी के रोगी को डॉक्टर के दिशा निर्देश अनुसार नियमित टीबी की दवाओं का सेवन करना चाहिए। मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी में फर्स्ट लाइन ड्रग्स आइसोनियाजिड और रिफाम्पिसिन जैसे दवाओं का मरीज पर कोई असर नहीं होता है क्योंकि आइसोनियाजिड और रिफाम्पिसिन ड्रग का टीबी का जीवाणु प्रतिरोध करता है। एक्सटेनसिवली ड्रग रेजिस्टेंट टीबी मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस टीबी से ज्यादा घातक होती है। एक्सटेनसिवली ड्रग रेजीस्टेंट टीबी में मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के उपचार के लिए प्रयोग होने वाली सेकंड लाइन ड्रग्स का टीबी का जीवाणु प्रतिरोध करता है। एक्सटेनसिवली ड्रग रेजिस्टेंस टीबी में फर्स्ट लाइन ड्रग्स आइसोनियाजिड और रिफाम्पिसिन के साथ-साथ टीबी का जीवाणु सेकंड लाइन ड्रग्स में कोई फ्लोरोक्विनोलोन ड्रग और बेडाक्वीलाइन/ लीनाजोलिड ड्रग का प्रतिरोध करता है। मल्टी ड्रग रेजिस्टेंस टीबी का रोगी द्वारा अगर सेकंड लाइन ड्रग्स को भी ठीक तरह और समय से नहीं खाया जाता या लिया जाता है तो एक्सटेनसिवली ड्रग रेजिस्टेंट टीबी की सम्भावना बढ़ जाती है। इस प्रकार की टीबी में एक्सटेंसिव थर्ड लाइन ड्रग्स द्वारा 2 वर्ष से अधिक तक उपचार किया जाता है। लेकिन एक्सटेनसिवली ड्रग रेजिस्टेंट टीबी का उपचार सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। आज के समय पर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के उपचार के लिए तीन प्रकार की रेजीमेन- एचमोनो पोली रेजीमेन (6 या 09 माह), शॉर्टर रेजिमेन (9-11 माह) और ऑल ओरल लोंगर रेजीमेन (18-20 माह) का उपयोग किया जा रहा है। नयी टीबी ड्रग बेडाक्वीलाइन का उपयोग भी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के उपचार में किया जा रहा है, बेडाक्वीलाइन दवा टीबी की अन्य दवाओं के साथ छः माह तक एक अतिरिक्त दवा के तौर पर दी जाती है। जो भी मरीज टीबी का पूर्ण इलाज लेकर ठीक हो जाता है, उसे टीबी चैम्पियन कहा जाता है। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत इन टीबी चैंपियन की भागीदारी से समाज और देश में टीबी के प्रति जागरूकता पैदा की जा सकती है। भारत देश के हर शहर में जितने भी टीबी चैम्पियन हैं उनमे से जितने भी शिक्षित टीबी चैंपियंस हैं उनकी छंटनी की जानी चाहिए।

कुछ-अलग

सट्टेबाजी कैंसर से भी खतरनाक है

एन. रघुरामन

पिछले बुधवार से, जब से प्रसिद्ध जापानी खिलाड़ी शोहे ओहतानी और उसके करीबी व अंग्रेजी अनुवादक इपेयी मिजुआरा के इर्द-गिर्द मंडरा रहा घोटाला सामने आया है बेसबॉल से जुड़ी पूरी दुनिया सांसें थामे हुए है। आप सोच रहे होंगे कि ये लोग कौन हैं? क्रिकेट में जो स्थान सचिन तेंदुलकर एमएस धोनी का है या दौड़ में उसेन बोल्ट का है, वही ओहदा बेसबॉल में ओहतानी का है।

याद रखिएगा कि चुनिंदा देश ही क्रिकेट खेलते हैं और बाकी दुनिया बेसबॉल पसंद करती है। पता चला कि उच्च वेतन पाने वाले मिजुआरा पर अवैध सट्टेबाजी से 4.5 मिलियन डॉलर का कर्ज हो गया था और सरगना मैथ्यू बॉयर था। सट्टेबाजी का पूरा मामला एजेंसियों की निगरानी में है, और मिजुआरा और बेसबॉल खेल पर नजर रखी जा रही है। कल्पना करिए मिजुआरा तीन लाख से लेकर पांच लाख डॉलर सालाना कमा रहा था और चूंकि वो ओहतानी का करीबी था, ऐसे में विलासिता पर खर्च कर रहा था। हालांकि इससे मिजुआरा के करिअर और उसकी माली हालत पर बुरा असर पड़ा है, पर आगे और गंभीर परिणाम सामने आएंगे क्योंकि बेसबॉल जैसी बड़ी लीग में किसी भी गैरकानूनी सट्टेबाजी की संलिप्तता के खिलाफ सख्त नियम हैं। 20 मार्च को ओहतानी की कानूनी टीम ने जाहिर सूचना जारी की, 'ओहतानी बड़ी चोरी का शिकार हुए हैं और हम ये मामला अधिकारियों को सौंप रहे हैं'।

हालांकि पिछले एक हफ

हरिद्वार संसदीय क्षेत्र में सात नामांकन पत्र रद्द, उत्तराखंड में कुल 56 नामांकन पत्र वैध

एजेंसी

देहरादून, 28 मार्च (नवसत्ता)। उत्तराखंड में अठारहवीं लोकसभा (लोस) के लिए आगामी 19 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए प्रस्तुत कुल 63 नामांकन पत्रों की गुरुवार को हुई जांच में हरिद्वार निर्वाचन क्षेत्र में तकनीकी कारणों से सात नामांकन पत्र खारिज किये गये हैं। जांच उपरान्त कुल 56 नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं। राज्य में 30 अप्रैल को नामांकन पत्र वापसी लेने के बाद ही कुल प्रत्याशियों की संख्या का पता चलेगा। राज्य के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि राज्य में नामांकन पत्र जांच करने के बाद कुल 56 नामांकन पत्र वैध पाये गये हैं। उनमें टिहरी में 11, गढ़वाल में 13, अल्मोड़ा में आठ, नैनीताल में 10 और हरिद्वार क्षेत्र में 14 नामांकन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वैध पाये गये नामांकन में यदि कोई प्रत्याशी नाम वापस लेना चाहते हैं, तो 30 मार्च को अपराह्न तीन बजे तक नाम अपना नामांकन पत्र वापस ले सकता है। उन्होंने बताया कि सर्विस वोटर के लिए राज्य में जो आवेदन प्राप्त हुए थे, उनके निर्वाचक नामावलियां तैयार हो गई हैं। इसके आधार पर 93 हजार 187 सर्विस वोटर दर्ज हुए हैं। जिनमें 90 हजार 554 पुरूष एवं 2633 महिला सर्विस वोटर दर्ज किये गये हैं। श्री जोगदंडे ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के प्रवासी मतदाता भी अपना पोस्टल बैलट के लिए फॉर्म जमा कर सकते हैं। उसका प्रारूप फॉर्म 12सी होगा। यदि वे फिजिकली वोट के लिए अनुरोध करते हैं, तो उनके लिए फॉर्म एम होगा। यह जानकारी प्रवासी मतदाता को उनके चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ई.आर.ओ.) के माध्यम से उपलब्ध करा दी गई है। सभी व्यक्ति अपने आवेदन पत्र जहां पर वह वर्तमान में निवास कर रहे हैं, उन्हें वहां पर यह कार्यवाही करनी है। इन परिवारों एवं व्यक्तियों से जो अपना फॉर्म 12सी और फॉर्म एम जमा करना चाहते हैं, सबंधित ई.आर.ओ. कार्यालय में जाकर तीन दस्तावेज जमा करने होंगे।

सालाना दो करोड़ नौकरियां कहां हैं, 30 लाख सरकारी पद खाली क्यों हैं : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने अंतराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि सालाना दो करोड़ नौकरियां कहां हैं और 30 लाख सरकारी पद खाली क्यों हैं? प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेरे विकास का हिसाब दो। देश के कुल बेरोजगारों में 83 प्रतिशत युवा क्यों हैं? सालाना 2 करोड़ नौकरियां कहां हैं? देश में 30 लाख सरकारी पद खाली क्यों हैं? हर परीक्षा का पेपर लीक क्यों होता है?'' उन्होंने यह सवाल भी किया, ''कॉरपोरेट का 16 लाख करोड़ रूपये माफ हो गया लेकिन हमारे किसान कर्ज से आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? किसानों की आय दोगुनी कब होगी? किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य कब मिलेगा? देश के पदों और संसाधानों में हमारे दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक और गरीब सवर्णों की उचित भागीदारी क्यों नहीं है?'' प्रियंका गांधी ने कहा, ''महंगाई आज चरम पर क्यों है? घर चलाना मुश्किल क्यों है? आम लोग अपना परिवार क्यों नहीं चला पा रहे हैं? महिलाओं के साथ अत्याचार क्यों बढ़ रहे हैं? महिलाओं पर अत्याचार करने वाले अपराधियों को संरक्षण देना कब बंद होगा?'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के मजदूरी दर में बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी पार्टी 'श्रमिक न्याय' गारंटी के तहत इस योजना के लिए दैनिक मजदूरी 400 रुपये से कम करेगी।

देश में अघोषित आपातकाल, जांच एजंसियों का हो रहा है खुल कर दुरपयोग : ठाकुर

एजेंसी

शिमला, 28 मार्च (नवसत्ता)। संसदीय क्षेत्र के चुनाव प्रभारी, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलेते हुए कहा कि आज देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति बना हुई है, जिसे चाहे जेल में डाल दो। जांच एजंसियों का खुल कर दुरपयोग किया जा रहा है और चुनाव बॉन्ड भाजपा का देश का सबसे बड़ा घोटाला है। श्री ठाकुर ने आज यहां पार्टी जिलाध्यक्षों एवं अग्रणी संगठनों से प्रदेश में होने जा रहे लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए कमर कसने का आह्वान करते हुए कहा है कि शिमला संसदीय सीट पर इस बार हर हाल में जीत हासिल करनी है। उन्होंने कहा कि शिमला संसदीय क्षेत्र कांग्रेस का प्रमुख गढ़ रहा है। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में शिमला संसदीय क्षेत्र के जिला अध्यक्षों एवं अग्रणी संगठनों के प्रमुखों की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि इस क्षेत्र के भाजपा सांसद अपने कार्यकाल में अपने क्षेत्र की जनता से बहुत दूर रहें। लोग उनकी शक्ल तक भूल गए है। उन्होंने कहा कि अब चुनाव के समय वह जनता के बीच जा कर अपने को लोगों से वोट देने की दुहाई कर रहें है। उन्होंने कहा कि अपने पांच साल के इस कार्यकाल में उनका इस क्षेत्र में विकास के नाम पर कोई भी योगदान नही रहा। उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष एवं अग्रणी संगठन पार्टी के बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्षों को अपने सभी ब्लॉक अध्यक्षों के साथ पूरे तालमेल के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें सभी ब्लॉकों के दौरे कर, बूथ एवं बीएलओ के साथ सीधा संपर्क रखना होगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अग्रणी संगठनों के सभी प्रमुखों और पदाधिकारियों को भी पूरे तालमेल से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस की मजबूत सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि सरकार के एक साल की उपलब्धियां एवं कर्मचारियों को ओपीएस के साथ महिलाओं को 1500 रुपए देने की गारंटी को सरकार ने पूरा किया है और इन्ही बातों को लेकर पार्टी को जनता के बीच जाना होगा।

ममता पर विवादित टिप्पणी को लेकर बीजेपी नेता दिलीप घोष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

एजेंसी

कोलकाता, 28 मार्च (नवसत्ता) पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर की गई टिप्पणी को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष के खिलाफ दुर्गापुर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि घोष पर शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करने और किसी महिला की गरिमा का अपमान करने के इरादे से शब्द, इशारा या कार्य करने से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बनर्जी पर अपनी टिप्पणियों के लिए बुधवार को माफी मांगी थी, जिससे राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया था।

भाजपा के दिलीप घोष को ईसीआई का नोटिस भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को लोकसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ अभद्र टिप्पणियों के लिए भाजपा के दिलीप घोष को कारण बताओ नोटिस जारी किया। भाजपा के दिलीप घोष ने सीएम ममता बनर्जी पर उनके पिता को लेकर तंज कसा, जिस पर विवाद पैदा हो गया। भाजपा सांसद ने प्रेस से बात करते हुए कहा था कि ममता जहां भी जाती हैं, खुद को उस राज्य की बेटी होने का दावा करती हैं। उन्हें पहले अपने पिता की पहचान करनी चाहिए कि वह किसकी बेटी हैं। जब महिला पर टिप्पणी की बात आई तो तृणमूल कांग्रेस ने दिलीप घोष के खिलाफ पूरी ताकत लगा दी और उन्हें बार-बार अपराध करने वाला अपराधी बताया।

महाराष्ट्र का करोड़ों रुपये का खिचड़ी घोटाला क्या है?

एजेंसी

महाराष्ट्र, 28 मार्च (नवसत्ता)। कथित खिचड़ी घोटाला मामले में सबसे बड़ा अपडेट सामने आया है। आरोपी सूरज चव्हाण की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। उनकी संपत्ति जब्त कर ली गई है। सूरज चव्हाण को आदित्य ठाकरे के बेहद करीबी नेता के तौर पर जाना जाता है। इसलिए यह फुसफुसाहट शुरू हो गई है कि उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे मुश्किल में पड़ जाएंगे। कथित खिचड़ी घोटाला मामले में आरोपी सूरज चव्हाण की संपत्ति ईडी ने जब्त कर ली है। कोविड के दौरान बीएमसी खिचड़ी आवंटन घोटाला हुआ। मुंबई में आवासीय फ्लैट और जिला-रत्नागिरी में कृषि भूमि सहित 88.51 लाख रुपये की अचल संपत्ति अनंतिम रूप से कुर्क की गई है। उद्धव ठाकरे गुट के अमोल कीर्तिकर, संदीप राऊत के भाई संदीप राऊत से भी ईडी पूछताछ करने वाली है।

बीएमसी खिचड़ी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के तहत कार्रवाई की गई। मुंबई पुलिस की प्रारंभिक जांच के आधार पर ईडी ने ईसीआईआर दर्ज की है। मुंबई के अग्रीपाड़ा पुलिस स्टेशन में आईपीसी 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई। ईडी की जांच में पाया गया कि सूरज चव्हाण ने बीएमसी/एमसीजीएम द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों का उल्लंघन करते हुए मेसर्स फोर्स वन मल्टी सर्विसेज के पक्ष में कार्य आदेश प्राप्त करने में भूमिका निभाई। सूरज ने बीएमसी/एमसीजीएम को धोखा देकर और कम मात्रा में खिचड़ी पैकेट की आपूर्ति करके अपराध की आय से 1.35 करोड़ रुपये कमाए। सूरज चव्हाण को मिस फोर्स वन मल्टी सर्विसेज से सैलरी और लोन के नाम पर 1.35 करोड़ रुपये मिले।

17 जनवरी को इसी साल सूरज चव्हाण को मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। सूरज फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी ने 15.03.2024 को विशेष पीएमएलए कोर्ट में सूरज चव्हाण के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। कथित घोटाला कोविड-19 महामारी के दौरान बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) द्वारा प्रवासी श्रमिकों और बेघरों के बीच खिचड़ी वितरण में अनियमितता से संबंधित है। एफआईआर में कहा गया है कि सामुदायिक रसोई पर चर्चा के लिए 9 अप्रैल, 2020 को बीएमसी के भायखला कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई थी। तय हुआ कि जो 5000 या इससे ज्यादा खाने के पैकेट तैयार कर सकेगा, उसे ठेका दिया जाएगा। तय हुआ कि इसका ठेका किसी धर्मार्थ संगठन या सामुदायिक रसोई वाले एनजीओ को दिया जाए। एक शर्त यह थी कि ठेकेदार के पास रसोई एवं स्वास्थ्य विभाग का प्रमाणपत्र होना चाहिए। हालांकि, एफआईआर के अनुसार, आरोपी ने सभी मानदंडों का उल्लंघन किया। एफआईआर में कहा गया है कि वैष्णवी किचन/सह्याद्री रिफ्रेशमेंट और सुनील उर्फ बाला कदम को ठेका दिया गया था, लेकिन उनके पास 5,000 से अधिक लोगों के लिए खिचड़ी बनाने के लिए रसोई उपलब्ध नहीं थी। पुलिस जांच में पता चला कि समझौते के तहत ठेकेदार को 300 ग्राम वजन के पैकेट तैयार करने थे, लेकिन आरोपी ने 100 ग्राम से 200 ग्राम वजन के खाद्य पार्सल सौंपे। उन्होंने काम का उपठेका भी दूसरों को दे दिया।

हिमाचल में दो दिन भारी बारिश और अंधड़ का ऑरेंज अलर्ट

शिमला, 28 मार्च (नवसत्ता)। हिमाचल प्रदेश में दो दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में यह बदलाव आने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य के मैदानी, मध्य व उच्च पर्वतीय भागों में 31 मार्च तक मौसम खराब रहने के आसार हैं। इस दौरान ऊंची चोटियों पर बर्फबारी व अन्य क्षेत्रों में बारिश के आसार हैं। वहीं, 29 व 30 मार्च को भारी बारिश और अंधड़ चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। 31 मार्च के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। 1 व 2 अप्रैल को उच्च पर्वतीय एक-दो स्थानों को छोड़कर अन्य में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। 3 अप्रैल को मौसम फिर बिगड़ सकता है।

खेल

आईपीएल का ओपनिंग-डे 16.8 करोड़ दर्शकों ने देखा

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन के पहले दिन रिकॉर्ड 16 करोड़ 80 लाख दर्शकों ने प्रसारण देखा। लीग के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर डिज्नी स्टार नेटवर्क ने गुरुवार, 28 मार्च को यह जानकारी दी। पहले दिन 1276 करोड़ मिनट का वॉच-टाइम दर्ज किया गया, जो कि किसी भी आईपीएल सीजन के शुरुआती दिन के लिए सबसे ज्यादा है। हालांकि, डेटा में आईपीएल-2020 सीजन शामिल नहीं है जो कोरोनो महामारी के दौरान यूएई में हुआ था। पहले दिन कुल 6.1 करोड़ दर्शकों ने डिज्नी स्टार नेटवर्क पर एक साथ प्रसारण देखा। यह भी एक रिकॉर्ड है। इस सीजन का पहला मैच मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया था। आईपीएल के सीजन-17 की ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड स्टार्स और सिंगर्स की परफॉर्मेंस देखने को मिली। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में करीब 40 मिनट चली सेरेमनी में एआर रहमान, सोनू निगम, मोहित चौहान और नीती मोहन जैसे सिंगर्स ने अपने हिट गानों से समां बांध दिया था। सेरेमनी की शुरुआत अक्षय कुमार ने परफॉर्म कर की। उनके बाद टाइगर श्रॉफ ने जय जय शिव शंकर गाने पर डांस किया। सोनू के बाद एआर रहमान ने मां तुझे सलाम और नीती मोहन ने बरसो रे मेघा गाया था। आखिर में जय हो गाने के साथ एआर रहमान ने सेरेमनी का समापन किया।

5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन का आगाज जीत से किया था। नए कप्तान ऋतुराज गायकवाड की लीडरशिप में उतरी सीएसके ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 विकेट से हराया।

हॉकी इंडिया ने श्रीजेश को एफआईएच एथलीट समिति का सह अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने पी आर श्रीजेश को एफआईएच एथलीट समिति का सह अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए कहा कि वह साथी खिलाड़ियों की बेहतरी में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने बुधवार को नयी एथलीट समिति का ऐलान किया जिसके अध्यक्ष श्रीजेश और चिली महिला हॉकी टीम की डिफेंडर कामिला काराम होंगी।

काराम को कार्यकारी बोर्ड में एथलीट समिति का प्रतिनिधि और सह अध्यक्ष बनाया गया है जबकि श्रीजेश सह अध्यक्ष होने के साथ नियोजन और बैठकों में अगुवाई करेंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा ,'' यह देखकर अच्छा लगा कि पी आर श्रीजेश को एफआईएच में ऐसी भूमिका मिली है जो हॉकी खिलाड़ियों के जीवन को सीधे प्रभावित कर सकती है।

उनके पास अपार अनुभव है और खिलाड़ियों की बेहतरी के लिये वह बहुत कुछ कर सकते हैं।'' एफआईएच एथलीट समिति सलाहकार ईकाई है जो एफआईएच कार्यकारी बोर्ड , समितियों, सलाहकार पेनल और अन्य ईकाइयों को सलाह देती है।

उनका काम खिलाड़ियों की ओर से एफआईएच को फीडबैक देने के साथ खिलाड़ियों के लिये संसाधनों और नयी पहल का विकास करना है।

अभिषेक शर्मा ने बताया 16 बॉल में फिफ्टी का राज

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए रिकॉर्ड 16 बॉल पर फिफ्टी बनाने वाले अभिषेक शर्मा ने अपनी बैटिंग स्ट्रैटजी का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि ब्रायन लारा से मैच से पहले बैटिंग पर बात करना फायदेमंद रहा। बैटिंग पार्टनर ट्रैविस हेड का भी बहुत सपोर्ट मिला। अभिषेक की फिफ्टी के सहारे एसआरएच ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। टीम ने 20 ओवर में 277 रन बनाए। अभिषेक 63 रन बनाकर आउट हुए, इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। अभिषेक शर्मा ने मैच के बाद पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस में कहा, मैंने ये चीज पहले भी कही है कि घरेलू क्रिकेट खेलने से बहुत फायदा और कॉन्फिडेंस मिलता है। हेड के साथ बैटिंग के वक्त मैसेज सिम्पल था कि पिच पर जा कर खुद को एक्सप्रेस करना है। हेड ने कहा कि अगर गेंद पाले में दिखे तो शॉट खेल देना है, मैंने भी वही किया।

मैं अपने मौकों से खुश हूं, जरूरी नहीं कि ओपनिंग ही मिले, मुझे हर पोजिशन पर बैटिंग करना पसंद है। मैच से पहले मैंने ब्रायन लारा से भी चैटिंग की थी, उनसे बात करने से मुझे कॉन्फिडेंस मिला। मैं नेट्स में भी बैटिंग से ज्यादा अब बॉलिंग पर ध्यान देने लगा हूं, इससे मेरा फोकस सुधर रहा है।

अभिषेक शर्मा एसआरएच के लिए नंबर-3 पर बैटिंग करने उतरे। उनसे पहले ओपनिंग करने उतरे ट्रैविस हेड ने 18 बॉल पर हाफ सेंचुरी लगाई, जो एसआरएच के लिए सबसे तेज फिफ्टी थी। उनके फिफ्टी लगाने के 22 मिनट बाद ही अभिषेक शर्मा ने 16 गेंद पर फिफ्टी लगा दी।

रोहित शर्मा-आकाश अंबानी के बीच क्या बातें हुई?

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस को बुरी तरह हरा दिया। हैदराबाद ने इस मैच में आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। मुंबई की टीम हार्दिक पंड्या की कप्तानी में खेल रही थी। टीम की हार के बाद उसकी सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। मैच के बाद आकाश अंबानी, पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से बातचीत करते नजर आए। रोहित और आकाश की फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है।

दरअसल, मुंबई इंडियंस ने इस सीजन के लिए बड़ा फैसला लिया था। उसने रोहित को कप्तानी से हटा दिया था। उनकी जगह पंड्या को ये जिम्मेदारी सौंपी। लेकिन हैदराबाद के खिलाफ पंड्या की कप्तानी बेहद खराब रही। उनकी कप्तानी पर कई पूर्व क्रिकेटर्स ने भी सवाल उठाए हैं। मैच के बाद आकाश और रोहित के बीच बातचीत हुई।

इसकी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की गई है और अटकलें लगाए जा रही हैं कि रोहित को फिर से कप्तानी मिल सकती है। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 277 रन बनाए। उसने आरसीबी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड आरसीबी के नाम दर्ज था। लेकिन अब हैदराबाद के नाम हो गया है। हैदराबाद के लिए हेनरिक क्लासेन ने नाबाद 80 रन बनाए। उन्होंने 34 गेंदों में 7 छक्के और 4 चौके लगाए। अभिषेक शर्मा ने 63 रन और ट्रेविस हेड ने 62 रनों की पारी खेली।

भारत-पाकिस्तान सीरीज की मेजबानी करना चाहता है ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने भारत-पाकिस्तान के बीच बाइलैट्रल सीरीज की मेजबानी करने के लिए एक बार फिर से अपनी इच्छा जाहिर की है। उनका कहना है कि अगर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बाइलैट्रल सीरीज खेलने के लिए सहमत हैं तो वे मेजबानी के लिए तैयार हैं। सीए ने 2022 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद भी ऐसी इच्छा जताई थी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने होम सीजन का शड्यूल जारी किया। इस शेड्यूल के मुताबिक इस साल नवंबर में भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें ऑस्ट्रेलिया में होंगी। भारत टेस्ट सीरीज के लिए, तो पाकिस्तान वनडे और टी-20 सीरीज के लिए वहां मौजूद होगा। इसे देखते हुए ही सीए ने भारत-पाक सीरीज की मेजबानी की इच्छा दोहराई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2024-25 सीजन का शेड्यूल जारी किया। इस शेड्यूल में भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज भी शामिल है। 22 नवंबर को पर्थ में पहला टेस्ट होगा। इसके बाद 6 दिसंबर से एडिलेड में डे-नाइट टेस्ट खेला जाएगा। फिर ब्रिसबेन के द गाबा मैदान पर 14 दिसंबर से तीसरा टेस्ट और मेलबर्न में 26 दिसंबर से चौथा टेस्ट होगा। आखिरी टेस्ट 3 जनवरी 2025 से सिडनी में खेला जाएगा।

भारत के अलावा पाकिस्तान टीम भी 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। पाकिस्तान का दौरा 4 नवंबर से शुरू होकर 18 नवंबर तक चलेगा। इसके चार दिन बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पार्थ टेस्ट शुरू होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप 2022 ऑस्ट्रेलिया में खेला गया था। इसका 16वां मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में भारत-पाकिस्तान के बीच खेला गया था। इसमें भारत ने चार विकेट से जीत दर्ज की थी। इसमें रिकॉर्ड 90,293 दर्शकों स्टेडियम पहुंचे थे। इसके बाद से ही सीए और एमसीजी ने भारत-पाकिस्तान मैच की मेजबानी की इच्छा जताई थी।

सीए के चीफ एग्जीक्यूटिव निक हॉकली ने बुधवार को फिर से अपनी यह इच्छा दोहराई। उन्होंने कहा, 2022 में एमसीजी पर भारत-पाकिस्तान मैच का आयोजन इस मैदान के सबसे यादगार पलों में से एक था। अब कई लोग इस तरह के मैच का फिर से गवाह बनना चाहते हैं। अगर ऐसा मौका मिला तो हम उसकी मेजबानी करना पसंद करेंगे। हम इस समर पाकिस्तान और भारत की मेजबानी के लिए उत्साहित हैं। भारत-पाकिस्तान ने आखिरी बार द्विपक्षीय सीरीज 2012 में भारत में खेली थी।

यह लिमिटेड ओवर की सीरीज थी। दोनों देशों के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज 2007 में खेली गई थी। पिछले दस साल से भारत-पाकिस्तान मल्टी नेशन टूर्नामेंट में ही खेलते हैं। ये वह टूर्नामेंट होते हैं जिनका आयोजन आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) और एसीसी (एशियन क्रिकेट काउंसिल) करते हैं। दोनों देशों ने पिछले 10 साल से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है।

बीजेडी के दिग्गज नेता रहे भर्तृहरि महताब भाजपा में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। आगामी आम चुनाव से पहले बीजू जनता दल (बीजद) के पूर्व सांसद भर्तृहरि महताब और सिद्धांत महापात्र गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भर्तृहरि महताब बीजद के संस्थापक सदस्यों में से एक और छह बार कटक लोकसभा सांसद हैं। 67 वर्षीय महताब पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए।

महताब ने 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के प्रकाश मिश्रा को भारी मतों के अंतर से हराकर कटक लोकसभा सीट बरकरार रखी। उन्होंने बीजद के टिकट पर संसदीय चुनाव लड़ा था। सूत्र बताते हैं कि महताब आगामी लोकसभा चुनाव में दावेदारी पर विचार कर रहे हैं, जिसमें कटक उनकी उम्मीदवारी के लिए संभावित युद्धक्षेत्र है। बीजेडी को अलविदा कहने के महताब के फैसले को, जहां उन्होंने संसद सदस्य के रूप में एक प्रमुख पद संभाला था, बीजेडी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को अपना इस्तीफा पत्र सौंपकर चिह्नित किया गया था। यह कदम उनकी राजनीतिक निष्ठा और आकांक्षाओं में एक उल्लेखनीय बदलाव को रेखांकित करता है। कटक लोकसभा क्षेत्र का लगातार छह बार प्रतिनिधित्व करने के शानदार रिकॉर्ड के साथ, महताब की संसदीय कौशल को व्यापक रूप से मान्यता मिली है। उनके योगदान को 2017 से 2020 तक लगातार चार वर्षों तक प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो संसदीय बहसों में उनके असाधारण प्रदर्शन का प्रमाण है।

महताब का भाजपा में शामिल होना ओडिशा में राजनीतिक पुनर्गठन की व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जहां हाल ही में बीजद के कई प्रमुख नेता भाजपा के खेमे में आ गए हैं। उल्लेखनीय दलबदल में बीजद के आयोजन सचिव पीपी दास और प्रसिद्ध ओडिया अभिनेता अरिंदम रॉय के करीबी रिश्तेदार शामिल हैं, जो राज्य के राजनीतिक परिदृश्य के भीतर बदलती गतिशीलता को रेखांकित करते हैं।

सपा की लिस्ट में 18 स्टार प्रचारक जया बच्चन व आजम खां शामिल

संवाददाता

लखनऊ, 28 मार्च (नवसत्ता) लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने स्टार प्रचारक घोषित कर दिए हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश के बाद महासचिव रामगोपाल यादव ने 18 स्टार प्रचारक की सूची जारी करते हुए निर्वाचन आयोग को भेजी है।

जिन प्रमुख नेताओं को स्टार प्रचारक बनाया गया है, अखिलेश यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव शामिल हैं। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सबसे चौंकाने वाला नाम जेल में बंद आजम खान का है। आजम खान पिछले काफी समय से जेल में बंद है और फिलहाल जेल से बाहर आने की कोई उम्मीद नहीं है। बावजूद इसके अखिलेश यादव ने उन्हें चुनाव प्रचार के लिए स्टार प्रचारक बनाया है। इसके अलावा फिल्म अभिनेत्री जया बच्चन, अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव, जावेद अली खान, नरेश उत्तम पटेल, रामजीलाल सुमन, शिवपाल सिंह यादव, राम गोविंद चौधरी, इंद्रजीत सरोज को स्टार प्रचारक बनाया है। इसी तरह स्टार प्रचारकों की सूची में रमेश प्रजापति, ओम प्रकाश सिंह, राजपाल कश्यप, राम आसरे विश्वकर्मा को शामिल किया गया है। इसके अलावा महबूब अली शाहिद मंजूर जैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नेताओं को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है। यह सभी स्टार प्रचारक पश्चिम उत्तर प्रदेश में होने वाले चुनाव में प्रचार करते हुए नजर आएंगे।

यूपी में मेरठ से तीसरी बार चुनावी शंखनाद करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

संवाददाता

लखनऊ, 28 मार्च (नवसत्ता) पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रथम और द्वितीय चरण के मतदान के लिये बिसात बिछ गई है। 19 अप्रैल को प्रथम चरण में और 26 अप्रैल को क्रमशः 08-08 सीटों पर मतदान होना है। इन दो चरणों में जाट और किसान दो बड़े फैक्टर हैं। इन दो चरणों में आने वाली सीटें राष्ट्रीय लोकदल के दबदबे वाली हैं, जिसका बीजेपी से गठबंधन है। पश्चिमी यूपी में ठोस शुरूआत करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ से लोकसभा चुनाव का शंखनाद करने आ रहे हैं। 31 मार्च को पीएम मोदी की रैली होगी। यह तीसरा मौका है जब मोदी तीसरी बार मेरठ से आम चुनाव के लिये शंखनाद करने जा रहे हैं। 2014 और 2019 में भी मोदी ने मेरठ में बड़ी रैलियों की शुरूआत की थी। मेरठ से बीजेपी ने अपने मौजूदा सांसद राजेन्द्र अग्रवाल का टिकट काट कर रामायण सीरियल में प्रभु श्रीराम की भूमिका निभाने वाले अरूण गोविल को यहां से चुनाव में उतारा गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय से उनका कार्यक्रम तय हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी जानकारी दी कि क्रांतिधरा मेरठ से चुनाव का शंखनाद करने प्रधानमंत्री मोदी आ रहे हैं। योगी ने जानकारी दी कि मोदी इस रैली को शाम चार बजे संबोधित करेंगे इसलिए सभी लोग तीन बजे से पहले ही पहुंच जाएं। उन्होंने अधिक संख्या में उस रैली में पहुंचने का आह्वान भी किया। गौरतलब हो 2014 में जब प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में मोदी ने प्रचार शुरू किया था तब भी उन्होंने उत्तर प्रदेश में सबसे पहले रैली की शुरुआत मेरठ से की थी। उसके बाद वही क्रम बना रहा। 2019 में भी मेरठ से ही रैली की थी। दोनों बार की ही रैली उनके लिए भाग्यशाली रही। उधर, रैली की तैयारी को लेकर एक दिन पूर्व ही क्षेत्रीय कार्यालय में प्रदेश महामंत्री संगठन की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। कार्यक्रम स्थल का पार्टी और प्रशासन स्तर पर निरीक्षण भी किया जा चुका है।

कांग्रेस के दिग्गज हैं डरे हुए, यह होगा आखिरी चुनावः दुष्यंत चौटाला

एजेंसी

चंड़ीगढ़, 28 मार्च (नवसत्ता)। झज्जर में पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जननायक जनता पार्टी सभी 10 लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरेगी और जल्द ही इन उम्मीदवारों के नाम की घोषणा भी कर दी जाएगी। दुष्यंत चौटाला पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जननायक जनता पार्टी प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरेगी और जल्द ही नाम की घोषणा भी कर दी जाएगी।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि जिला स्तर की बैठकों के बाद हर जिले से कई-कई नेताओं के नाम पार्टी आला कमान के सामने आए हैं। इन सभी पर चर्चा के बाद लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों की घोषणा पार्टी करेगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा। दुष्यंत चौटाला का कहना है कि कांग्रेस के दिग्गज डरे हुए हैं। कांग्रेस का यह आखिरी चुनाव है। हरियाणा के लीडर ऑफ अपोजिशन का चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान भी यह दर्शाता है कि उनके मन में कहीं ना कहीं डर है। दुष्यंत चौटाला का कहना है कि जेजेपी का वोट शेयर लगातार बढ़ रहा है। विधानसभा चुनाव में भी जननायक जनता पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी और संगठन के दम पर विधानसभा चुनाव में 10 से बढ़कर 46 का आंकड़ा पार करेगी। चुनाव के समय दल बदलने वाले दल बादलुओं पर भी दुष्यंत चौटाला ने निशाना साधा। दुष्यंत चौटाला का कहना है कि चुनाव के समय पार्टी बदलने वाले नेता संगठन के प्रति समर्पित नहीं है। जो नेता संगठन के प्रति समर्पित नहीं होते वही राजनीतिक पार्टियां छोड़कर भाग रहे हैं और जो कार्यकर्ता संगठन के प्रति समर्पित होता है वह चुनाव में आखिरी समय तक डंटा रहता है।

भाजपा की हैट्रिक रोकने के लिए कांग्रेस कर रही तैयारी

एजेंसी

जयपुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन के बाद प्रचार अभियान ने जोर पकड़ लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मार्च को मेरठ से अपने चुनावी कैंपेन की शुरुआत करने जा रहे हैं। वहीं कांग्रेस भी राजस्थान में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की आम सभा की तैयारियों में जुट गई है। सोनिया गांधी जयपुर में सभा को संबोधित कर सकती हैं।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी नेताओं का कहना है कि हमारी मांग है कि प्रदेश में पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की सभाएं और रोड शो हों। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस की तरफ से हाईकमान को एक प्रस्ताव भी भेजा गया है। संभवतः सोनिया गांधी छह अप्रैल को राजस्थान में सभा को संबोधित कर सकती हैं। जयपुर के अलावा वे अन्य एक या दो सीटों पर भी जनसभा को संबोधित कर सकती हैं। दरअसल, इन लोकसभा चुनाव में सोनिया गांधी की सक्रियता ज्यादा दिखाई दे रही है। इस बार वे उम्मीदवार चयन करने वाली सेंट्रल इलेक्शन कमेटी की हर बैठक में मौजूद रही हैं। इसके अलावा घोषणा पत्र चयन समिति की बैठक में उन्होंने सुझाव भी दिए। स्वास्थ्य ठीक होने की स्थिति में सोनिया गांधी लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में हिस्सा ले सकती हैं। सोनिया गांधी राजस्थान से निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुनी गई हैं, ऐसे में राजस्थान में ज्यादा सभाएं कर सकती हैं।

इसके अलावा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी की सभा और रोड शो के कार्यक्रम भी तैयार किए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम राज्य में होने वाले दो चरणों के चुनावों को देखते हुए तैयार किए जा रहे हैं। नेताओं की रैली और रोड शो लोकसभा उम्मीदवारों की मांग के हिसाब से तय किए जा रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं का कहना है कि कांग्रेस ने अभी पहले चरण की नामांकन रैलियों में स्थानीय नेताओं को ही बुलाया था। अब तक के नामांकन के दौरान रैलियों में पूर्व सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट गए। लेकिन अब चुनाव प्रचार के लिए राष्ट्रीय नेताओं को बुलावा भेजा जा रहा है। अगले एक या दो दिन में सभी बड़े नेता राजस्थान में प्रचार अभियान करते हुए नजर आएंगे। पार्टी ने इस बार प्रचार की रणनीति में भी बदलाव किया है। कांग्रेस का फोकस इस बार ज्यादा सभाओं की जगह उम्मीदवार के ज्यादा क्षेत्र कवर करने पर है। कुछ बड़े नेताओं की चुनिंदा सभाओं के अलावा स्थानीय प्रचार पर ही फोकस रखा जाएगा।

राजस्थान में 25 लोकसभा सीटों पर दो चरणों में संपन्न कराए जाएंगे। इसमें पहले 19 अप्रैल को 12 सीटों पर और 26 अप्रैल को 13 सीटों पर मतदान कराए जाएंगे। राजस्थान में 25 सीटों पर भाजपा जीत का दावा कर रही है। वहीं, कांग्रेस इस बार लोकसभा चुनाव में जीत का खाता खोलने की उम्मीद के साथ उतरने वाली है।

2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की सभी 25 सीटों पर कब्जा था। जबकि 2019 के चुनाव में भाजपा ने 24 सीटें जीती थीं। एक सीट पर हनुमान बेनीवाल की पार्टी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक दल को जीत मिली थी। बेनीवाल लोकसभा चुनाव जीते थे। उस वक्त बेनीवाल एनडीए का हिस्सा थे।

देवीलाल की नीतियों की प्रदेश सरकार बनानी है तो चुनाव में दिखानी होगी ताकतः अभय चौटाला

एजेंसी

चंड़ीगढ़, 28 मार्च (नवसत्ता)। देश व प्रदेश की जनता पूर्व उप प्रधानमंत्री रहे देवीलाल की नीतियों की सरकार चाहती है और इसके लिए वर्तमान सरकार को बदलने की जरूरत है। ऐसे में होने वाले लोकसभा चुनावों में हर कार्यकर्ता व मतदाता को अपनी ताकत दिखानी होगी। वर्तमान सरकार को बदला जाना देश व प्रदेश के लिए बेहद जरूरी है। यह कहना है इनेलो प्रत्याशी अभय चौटाला का। वे यहां पंजाबी धर्मशाला में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे जिसके बाद उन्होंने पिहोवा में भी एक निजी पैलेस में कार्यकर्ताओं में जोश भरा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में प्रदेश में ही शराब से लेकर खाद व धान घोटाला तक किया। लोगों के बीच किए गए वादे पूरे करने की बजाए अलग-अलग रूप में परेशानी खड़ी की, जो हर वर्ग को झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति बदलाव के लिए तैयार है, लेकिन उस तक पहुंचना होगा और सरकार की विफलताओं और इनेलो की नीतियों से अवगत कराना होगा। हर पदाधिकारी लोगों के घर-घर दस्तक दें। चौटाला ने कहा कि भाजपा व कांग्रेस के पास अपने प्रत्याशी तक नहीं है। भाजपा प्रदेश में 10 में से छह ऐसे प्रत्याशी मैदान में लाई है, जो इंपोर्ट किए गए हैं। एजेंसियों का डर दिखाकर दो प्रत्याशियों को पहले पार्टी में शामिल भी किया गया। इनमें एक प्रत्याशी कुरुक्षेत्र में भी भेजा है। वह पहले भी 10 साल सांसद रहा, लेकिन इसके बाद अगले 10 साल तक पूरी तरह जनता से दूरी बनाए रखी। अब चुनाव आते ही फिर वोट मांगे जाने लगे हैं। ऐसे में जनता अपना हिसाब जरूर लेगी।

वरुण गांधी ने पीलीभीत वासियों को लिखा भावुक पत्रः कहा- रिश्ता आखिरी सांस तक रहेगा

एजेंसी

पीलीभीत , 28 मार्च (नवसत्ता)। पीलीभीत से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद वरुण गांधी ने पार्टी नेतृत्व द्वारा टिकट काटे जाने के बाद, पीलीभीत वासियों के लिए बृहस्पतिवार को एक खुला पत्र लिखा। वरुण ने इस भावुकतापूर्ण पत्र में लिखा है कि एक सांसद के रूप में उनका कार्यकाल भले ही खत्म हो रहा हो, मगर पीलीभीत से उनका रिश्ता आखिरी सांस तक रहेगा। भाजपा ने महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर अपनी ही सरकार के खिलाफ कई बार मुखर रहे वरुण गांधी का टिकट काटकर उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री पूर्व सांसद जितिन प्रसाद को पीलीभीत से उम्मीदवार बनाया है। पहले माना जा रहा था कि वरुण पीलीभीत से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ सकते हैं लेकिन बुधवार को नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन भी वरुण ने पर्चा दाखिल नहीं किया, जिसके बाद उनके इस सीट से चुनाव लड़ने की अटकलों पर विराम लग गया। उन्होंने पीलीभीत वासियों को लिखे पत्र में इस क्षेत्र से अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा, आज जब मैं यह पत्र लिख रहा हूं तो यादों ने मुझे भावुक कर दिया है। मुझे वह तीन साल का छोटा सा बच्चा याद आ रहा है जो अपनी मां की उंगली पड़कर 1983 में पहली बार पीलीभीत आया था। उसे कहां पता था कि एक दिन यह धरती उसकी कर्म भूमि और यहां के लोग उसका परिवार बन जाएंगे। वरुण ने पत्र में आगे कहा कि एक सांसद के तौर पर उनका कार्यकाल भले समाप्त हो रहा हो, पर पीलीभीत से उनका रिश्ता अंतिम सांस तक खत्म नहीं हो सकता। उन्होंने कहा ''सांसद के रूप में नहीं तो बेटे के तौर पर ही सही, मैं आजीवन आपकी सेवा के लिए प्रतिबद्ध हूं और मेरे दरवाजे आपके लिए हमेशा पहले जैसे ही खुले रहेंगे। मैं राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाने आया था और आज आपसे यही आशीर्वाद मांगता हूं कि सदैव यह कार्य करता रहूं। भले ही उसकी कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भाजपा सांसद ने पत्र में कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें वर्षों तक पीलीभीत की महान जनता की सेवा करने का मौका मिला। उन्होंने कहा ''आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा अपनी पूरी क्षमता से आपके हितों के लिए आवाज उठाई है। उन्होंने पत्र में कहा, ÷महज एक सांसद के तौर पर ही नहीं बल्कि एक व्यक्ति के तौर पर भी मेरी परवरिश और मेरे विकास में पीलीभीत से मिले आदर्श, सरलता और सहृदयता का बहुत बड़ा योगदान है। मेरा और पीलीभीत का रिश्ता प्रेम और विश्वास का है जो राजनीतिक गुणा-भाग से बहुत ऊपर है। मैं आपका था, हूं और रहूंगा। वरुण गांधी कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के चचेरे भाई हैं और वह वर्ष 2019 में दूसरी बार पीलीभीत से भाजपा के सांसद चुने गए थे।

नवनीत राणा की राह नहीं है आसान?

मुंबई, 28 मार्च (नवसत्ता)। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के लिए लिस्ट की घोषणा कर दी। नवनीत राणा को अमरावती सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। नवनीत राणा की उम्मीदवारी पर महागठबंधन के घटक दल शिवसेना और प्रहार के नेताओं ने नाराजगी जताई है। इससे महायुति की मुश्किलें बढ़ने की आशंका है। नवनीत राणा मौजूदा सांसद हैं और 2019 में उन्हें एनसीपी ने समर्थन दिया था। नवनीत राणा को उम्मीदवारी मिलने के बाद शिवसेना शिंदे गुट के अभिजीत अडसुल ने भी अमरावती लोकसभा के लिए आवेदन करने का फैसला किया है। अभिजीत अडसुल के कार्यकर्ताओं ने उनकी उम्मीदवारी के लिए आवेदन ले लिया है।

बीजेपी में शामिल होने के लिए वाई प्लस सुरक्षा और पैसे की पेशकश

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। आम आदमी पार्टी के एकमात्र सांसद सुशील कुमार रिंकू के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद, दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि उनकी दो राज्य सरकारों को गिराने के लिए भाजपा का ऑपरेशन लोटस चल रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए, भारद्वाज ने कहा कि अगर भाजपा पंजाब में इतनी बुरी स्थिति में है, तो उसने कल हमारे सांसद (सुशील कुमार रिंकू) और विधायक (शीतल अंगुराल) को क्यों खरीदा पंजाब के हमारे विधायकों ने कल हमें बताया कि राज्य में कई विधायकों को पाला बदलने और भाजपा में शामिल होने के लिए पैसे की पेशकश की गई थी, उन्हें वाई-प्लस सुरक्षा और पदों की पेशकश की गई थी। उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ने का ऑफर भी दिया गया।

सुशील कुमार रिंकू का सांसद कार्यकाल समाप्त हो गया है, एमसीसी लागू है, वह अब केवल एक ही काम कर सकते हैं चुनाव लड़ना। आप नेता ने कहा कि जालंधर लोकसभा सीट के चुनाव में भाजपा चौथे स्थान पर रहेगी। आप किसी से भी आकलन के लिए पूछ सकते हैं, भाजपा जालंधर में चौथे स्थान पर आएगी। वे जो चाहें कर सकते हैं, लेकिन वे चौथे स्थान पर रहेंगे। सवाल यह है कि एक सांसद चौथे स्थान पर आने के लिए भाजपा में क्यों शामिल होगा? भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जो भविष्यवाणी की थी वह सच हो गई है और भाजपा दिल्ली और पंजाब में सरकारें गिराने की कोशिश कर रही है। मुझे लगता है कि अरविंद केजरीवाल जो पहले कह रहे थे वह आज सच हो गया है ऑपरेशन लोटस सिर्फ आप को तोड़ने और दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकारों को गिराने के लिए शुरू किया गया है।

जालंधर लोकसभा सीट से आप के उम्मीदवार बनाए गए रिंकू पार्टी के जालंधर पश्चिम विधायक शीतल अंगुराल के साथ भाजपा में शामिल हो गए। रिंकू पिछले साल जालंधर लोकसभा सीट पर उपचुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस छोड़कर आप में शामिल हो गए थे। वह लोकसभा में भाजपा के मुखर आलोचक थे और यहां तक कि उनके बेलगाम विरोध प्रदर्शन के लिए उन्हें सदन से निलंबित भी कर दिया गया था। भाजपा द्वारा उन्हें लोकसभा चुनाव में उतारने की संभावना है क्योंकि वह 13 संसदीय क्षेत्रों वाले राज्य में एक मजबूत ताकत के रूप में उभरने के लिए पंजाब में विभिन्न राजनीतिक दलों के कई प्रभावशाली नेताओं को शामिल कर रही है।

विधानसभा चुनाव का प्रभाव लोकसभा चुनावों पर नहीं पड़ता

एजेंसी

भोपाल, 28 मार्च (नवसत्ता)। मध्य प्रदेश में 2023 के नवंबर-दिसंबर में ही लोकसभा के चुनाव हुए हैं। इसके करीब छह माह बाद ही लोकसभा चुनाव 2024 का आगाज हो गया है। प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत और आधे से अधिक मत प्राप्त हुए, वहीं महिलाओं द्वारा रेकॉर्ड तोड़ मतदान ने भी सबका ध्यान आकर्षित किया था। पूर्व में भी प्रदेश में लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव थोड़े ही अंतर से हुए, पर मतदाता का मानस जो विधानसभा चुनाव में रहता है, वह लोकसभा चुनाव में अलग रहता है।

विधानसभा चुनाव 2003 में भाजपा को प्रदेश में हुए कुल मतदान में से 42.50 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे, वहीं 2004 में लोकसभा चुनाव में 48.13 प्रतिशत मत मिले। जबकि कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में 31.61 और लोकसभा में 34.6 प्रतिशत मत मिले थे, यानि विधानसभा से करीब तीन प्रतिशत ज्यादा मत लोकसभा में मिले थे।

इसी तरह 2008 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 37.64 और 2009 के लोकसभा चुनाव में 43.45 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। इस तरह भाजपा को विधानसभा के मुकाबले लोकसभा में 5.81 प्रतिशत मत अधिक प्राप्त हुए थे, वहीं कांग्रेस को विधानसभा में 32. 96 प्रतिशत और लोकसभा में 40.14 प्रतिशत मत मिले यानि कांग्रेस को भी विधानसभा के मुकाबले 7.18 प्रतिशत मत अधिक मिले थे। 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रदेश में 16 और कांग्रेस को 12 स्थानों पर विजय हासिल हुई थी। एक स्थान पर बसपा का उम्मीदवार विजय रहा था।

2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 41.02 प्रतिशत मत और लोकसभा चुनाव 2019 में 58 प्रतिशत मतों के साथ प्रदेश की 29 में 28 लोकसभा सीटों पर विजय मिली थी, जबकि विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता प्राप्त नहीं हुई थी। इस वर्ष विधानसभा के मुकाबले भाजपा को लोकसभा में प्रदेश में करीब 17 प्रतिशत अधिक मत मिले थे। कांग्रेस को विधानसभा चुनाव 2018 में 40.89 और लोकसभा चुनाव में 34.50 प्रतिशत मत मिले थे।

जाहिर है कांग्रेस को लोकसभा में विधानसभा के मुकाबले 6.39 प्रतिशत मत कम मिले थे। जबकि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से 0.13 प्रतिशत मत ही कम मिले थे। इसलिए उक्त आंकड़ों से जाहिर होता है कि जो विधानसभा चुनाव में परिणाम आता है उससे भिन्न लोकसभा चुनाव में आता है।

प्रतिभा सिंह ने फिर हाईकमान के पाले में गेंद डाली

शिमला, 28 मार्च (नवसत्ता)। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने मंडी संसदीय सीट से चुनाव लड़ने को लेकर फिर हाईकमान के पाले में गेंद डाली है। गुरुवार को शिमला में मीडिया से बातचीत के दौरान प्रतिभा सिंह ने कहा कि उन्होंने अपनी बात को पार्टी के प्रभारी और मुख्यमंत्री के समक्ष रख दी है। अब हाईकमान का जो भी फैसला होगा वह सर्वोपरि रहेगा। कहा कि उन्होंने चुनाव लड़ने को लेकर गेंद हाईकमान के पाले में डाली है। हाईकमान इस पर क्या फैसला लेता है। उसके बाद वह अपना निर्णय लेंगी। कंगना को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने पर उन्होंने कहा कि इस फैसले से भाजपा के कई वरिष्ठ नेता आहत है। हालांकि यह भाजपा का आंतरिक मामला है। हम सिर्फ चुनाव लड़ने के लिए कंगना का स्वागत कर सकते हैं।

ब्लाक सभागार में कर्मचारियों संग संचारी उन्मुखीकरण की बैठक संपन्न हुई

संवाददाता

हलिया-मिर्जापुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। स्थानीय विकास खंड सभागार में गुरुवार को पंचायत सहायक एवं सफाई कर्मचारियों की बैठक का आयोजन खंड विकास अधिकारी डाक्टर राजीव शर्मा की अध्यक्षता में आहूत की गई जिसमें आगामी माह अप्रैल में प्रस्तावित संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफल संचालन हेतु बैठक आयोजित किया गया जिसमें खंड विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि समस्त सहायक एवं सफाई कर्मचारी संचारी रोग नियंत्रण अभियान में कार्य योजना के अनुसार समस्त ग्राम सभा में कार्य करेंगे जिसमें झाड़ियों की कटाई, नालियों की साफ-सफाई, शौचालय का प्रयोग करने पर जोर दें, साथ ही सभी सफाई कर्मी जिस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं संचार के माध्यम से फैलने वाली बीमारियों के लिए समस्त परिवार को जागरूक करेंगे। एडीओ पंचायत रूपेश श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि समस्त ग्राम सभा में अभियान के दौरान सभी सफाई कर्मी एवं ग्राम प्रधान क्षेत्र में खराब पड़े हैंड पंप का नवीनीकरण करके मरम्मत कराएंगे जिससे स्वच्छ पेयजल का प्रयोग हो सभी लोगों को शौचालय का प्रयोग करने के लिए जागरूक करें। बीएमसी अंकित शुक्ला द्वारा बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संपादित किया जाएगा समस्त राजस्व गांव में इस अभियान के नोडल ग्राम विकास अधिकारी होंगे वह संचार के माध्यम से फैलने वाली बीमारियों के लिए सहयोग कर समस्त क्षेत्र को जागरूक किया जाएगा साथ ही क्षेत्र में सभी परिवार को हीट वेव गर्मी से बचाव हेतु जनता को जागरूक किया जाएगा एवं जिसे संचार के माध्यम से फैलने वाली बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके। इस अभियान को सफल बनाने हेतु स्वास्थ्य विभाग पंचायती राज विभाग सामंजस्य स्थापित कर कार्य करेंगे साथ ही स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा एवं शुद्ध पेयजल के लिए जागरूक किया जाएगा। संचार के माध्यम से फैलने वाली बीमारियां मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, दिमागी बुखार, कुष्ठ रोग, कोविड-19, क्षय रोग इन समस्त विषयों पर जनता से विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया।

कवि गोष्ठी व साहित्य चर्चा आयोजित

संवाददाता

सुलतानपुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। जनपद के चर्चित साहित्यकार एवं कवि कमलेश भट्ट कमल के कादीपुर तहसील स्थित गांव जफरपुर के आवास पर काव्य गोष्ठी एवं साहित्य चर्चा का आयोजन हुआ जिसमें क्षेत्र के प्रतिष्ठित कवि एवं साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं से सभी को भाव विभोर किया। सन्त तुलसीदास महाविद्यालय हिन्दी विभाग प्रवक्ता डा. करुणेश प्रकाश भट्ट की सरस्वती वंदना-मां शारदे तुम्हारी महिमा बड़ी है न्यारी के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम आयोजक कमलेश भट्ट कमल ने बड़ी ही मार्मिक कविता पेड़ कटे तो छांव कटी फिर आना छूटा चिड़ियों का, आंगन आंगन रोज फुदकना गाना छूटा चिड़ियों का सुनाया व काव्य गोष्ठी में सुंदर आगाज कर चार चांद लगाया। कहने को सब दिलवाले हैं,दिल कुछ के ही शायद निकले जैसे गजल व शेर के माध्यम से कमल जी ने कार्यक्रम में समा बांधा। आशु कवि मथुरा प्रसाद सिंह जटायु ने अपनी रचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि बड़ी कुर्बानियों के बाद जो मिला जटायू, आज उस लोकतंत्र को बचाइए डॉ सुशील कुमार पांडेय साहित्येंदु ने अपनी रचना में कहा व पढ़ा चुपके से जो पेड़ को कटवाने में दक्ष, पादप रोपण पर्व पर वही बना अध्यक्ष।

उक्त गोष्ठी में श्री शिवचरितामृत रचयिता संकठा प्रसाद सिंह देव ने कहा मधुर फाग खेलो मानव खुशी पर, किसी नयन में अश्रु आने ना पाए।

डॉ राम प्यारे प्रजापति ने चौराहे पर शोर है, जंगल है वीरान। वास करें कोयल जहां, कौवा भर जहान। मुख्य अतिथि बाल साहित्यकार दिनेश प्रताप सिंह चित्रेश ने कविता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कविता सौंदर्य का शब्दों में लयात्मक सृजन है।

एसीएम का दौरा बना तमाशा, मात्र दो घंटे के लिए रोके गए थे अवैध वेंडर

संवाददाता

मिर्जापुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। स्थानीय रेलवे स्टेशन एवं मार्ग से होकर गुजरने वाली विभिन्न मेल एवं पैसेंजर ट्रेनों में अफसरों की कथित सहमति से चलाए जा रहे सैकड़ों की संख्या में अवैध वेंडरों का सिलसिला थमने की बजाय निरंतर बढ़ता ही जा रहा है।

हालात यह हो गया है कि डीडीयू से प्रयागराज तक सैकड़ो की संख्या में अवैध वेंडरों द्वारा विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों की बिक्री तो कराई ही जा रही थी अब स्थानीय रेलवे स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों पर मौजूद दुकानदारों द्वारा देखा देखी पाप तथा देखा देखी पुण्य की तर्ज पर स्वीकृति के अलावा 8 से 10 की संख्या में अतिरिक्त वेंडर अनधिकृत ढंग से चलाए जाने लगे हैं, जबकि एमपीएस (मल्टी पर्पज स्टाल) की तीन दुकानों तथा ट्रॉली पर लगभग 45 की संख्या में अनधिकृत वेंडर चलाए जाने लगे हैं। रेलसूत्रों के अनुसार एमपीएस पर केवल ब्रांडेड एवं पैक्ड आइटम बेचे जाने चाहिए।

विगत दिनों की गई शिकायत पर रेल मुख्यालय द्वारा एमपीएस पर मौजूद पूड़ी सब्जी के पैकेट्स, चाय तथा खुले आइटम्स को सीज करने के जारी आदेश को ठेंगा दिखते हुए स्थानीय अधिकारी ने कथित तौर पर मात्र एक पैकेट बिस्किट सीज किया था। सूत्रों की मानें तो अनधिकृत वेंडर्स के माध्यम से स्थानीय वाणिज्य अधिकारी एवं सुरक्षा बलों की मिली भगत से की जा रही मोटी कमाई का हिस्सा ऊपर तक जा रहा है इसीलिए अवैध वेंडरों के खिलाफ कड़ाई से शिकंजा नहीं कसा जा रहा। सूत्र यह भी बताते हैं कि अवैध कमाई के हिसाब-किताब के लिए सुरक्षाबालों के कारखास लगाए गए हैं जो प्रत्येक महीने की पहली तारीख को अवैध वेंडरों के सरगना को तलब करते हुए तयशुदा धनराशि वसूलने के पश्चात हिस्से का बंटवारा करते हैं। बताया जा रहा है कि प्रति अवैध वेंडर प्रतिमाह छः हजार रुपए की वसूली की जाती है।

इस हिसाब से 100 अवैध वेंडर के बदले प्रतिमाह छः लाख रुपए की भारी भरकम धनराशि एक स्टेशन से वसूले जाने के कारण ही अवैध वेंडरों के खिलाफ कार्रवाई हेतु उच्चस्तरीय फरमान को रद्दी की टोकरी में डालते हुए कार्रवाई के नाम पर एक या दो अवैध वेंडर को हिरासत में लेने के उपरांत सीसीटीवी में कार्रवाई का फुटेज आ जाने के बाद पकड़े गए अवैध वेंडर को निकल भागने का भरपूर मौका दे दिया जाता है।

अच्छे नतीजों से सफल छात्रों को किया गया पुरस्कृत, छात्रों में उत्साह

संवाददाता

मिर्जापुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। जिले के मड़िहान थाना अंतर्गत विकासखंड राजगढ़ के प्राथमिक विद्यालय ददरा में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों के परीक्षा फल में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण बीस छात्राओं के प्रोत्साहन हेतु बृहस्पतिवार को क्षेत्र पंचायत सदस्य ददरा राजू नेता ने समस्त 20 बच्चों को पठन -पाठन सामग्री किताब कॉपी, कलम, पेंसिल, ज्योमेट्री बॉक्स के साथ साथ नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

राजू नेता ने उच्च अधिकारियों से वार्ता कर विद्यालय में बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर की व्यवस्था तत्काल विद्यालय में उपलब्ध कराने की मांग की। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका चंचला सिंह ने भी व्यक्तिगत रूप से छात्र-छात्राओं को निशुल्क पठन सामग्री का वितरण किया। बताया कि गरीब व्यक्तियों के बच्चे प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने आते हैं। प्राथमिक विद्यालय में भी उच्च कोटि की पढ़ाई होती है। राज्य सरकार द्वारा बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं परंतु आज भी कुछ सामानों का अभाव है जिसे तत्काल पूरा करने का प्रयास कर रहा हूं। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों से भी राजू नेता ने अपील किया कि 1 अप्रैल से स्कूल चलो अभियान का कार्यक्रम प्रस्तावित है। जिनके बच्चे 5 वर्ष पूर्ण कर चुके हों वे अभिभावक विद्यालय में आकर बच्चों का नामांकन कराएं। राजू नेता ने दोपहर का भोजन स्वयं अपने हाथ से बच्चों को परोसा साथ ही स्वयं बच्चों में बैठकर भोजन किया।

धूमधाम से मनाया गया प्राथमिक विद्यालय मलाहक का वार्षिकोत्सव समारोह

संवाददाता

जौनपुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। जिला के शाहगंज तहसील क्षेत्र के सोधी विकासखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय मलहज का वार्षिकोत्सव समारोह छात्र-छात्राओं द्वारा धूमधाम और विशेष उत्साह के साथ मनाया गया। बालक और मच्छर नाटक का छात्रों ने शिक्षा प्रद उद्देश्य लिए हुए मनमोहक मंचन किया। बतौर मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी अमर दीप जायसवाल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, आगंतुकों एवं छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के अभाव में देश और समाज का चौमुखी विकास असंभव है।शिक्षा ही ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हमारा देश उन्नति के शिखर पर पहुंच सकता है। अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय के प्रधानाचार्य डाक्टर रत्नेश सिंह द्वारा गुणवत्ता परक शिक्षा प्रदान करके बच्चों का भविष्य उज्जवल किया जा की रहा है। छात्रों की भारी तादाद यह साबित कर रही है कि ग्रामीण क्षेत्र में अभाव के चलते शिक्षा के स्तर को शिक्षकों और विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर रत्नेश सिंह ने गिरने नहीं दिया।

कार्यक्रम के क्रम में सरस्वती वंदना अन्नू, अंजू, चंदनी, उमा, चंदनीय स्वागत गीत में आर्या, सिंपल, महिमा नेहा, पापा मेरे पापा आंगनबाड़ी के बच्चे, स्कूल चले हम कक्षा एक छात्र छात्रा, ओरि चिरइया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, उजाला, स्नेहा, पायल श्रेया, पायल, श्रेजल, सिवांगी कव्वाली कितना मुश्किल है इनको समझना कक्षा तीन की छात्र छात्रा कवि सम्मेलन अन्नू, चांदनी, अमन शिवम, शिवम, अनीष, राज, कजरी नैंसी, चांदनी, आर्या, महिमा, सिंपल नंदिनी, आदि ने अपने अपने कार्यक्रम में अभिनय कर सभी का मन मोह लिया। ग्राम प्रधान आशा देवी ने छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति करने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. रत्नेश सिंह सहित पूरे विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए जमकर तारीफ की। उन्होंने हर संभव मदद करने के लिए पूर्ण रूप से आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि छात्र हित के लिए उनके स्तर से जो भी सहयोग संभव होगा जरूर करेंगे।

समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जौनपुर के जिला सहसंयोजक डॉ अभिषेक सिंह तथा संचालन रविंद्र यादव ने किया।

आदि उपस्थित रहे। इस समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के सहायक अध्यापक सरोज कुमार ज्योत्सना यादव, अल्पना भारती, तारा रानी, रिंकी यादव आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस समारोह में ब्लॉक अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ डा. अरविंद प्रकाश सिंह, महामंत्री अखिलेश चंद्र मिश्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रत्नाकर यादव, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार, गुफरान अहमद, नेनचंद, राम श्रृंगार यादव, वीरेंद्र यादव, योगेश अस्थाना, शैलेंद्र यादव, अभिषेक सिन्हा, श्रीकांत यादव, सहित समस्त अभिभावकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थित दर्ज की।

धड़ल्ले से किया जा रहा गंगा के बालू का अवैध खनन व परिवहन

संवाददाता

मिर्जापुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। जिले के विंध्याचल थानाअंतर्गत जोपा एवं नदनी गांव के पास गंगा में जेसीबी मशीन का प्रयोग करते हुए धड़ले से बालू का अवैध खनन एवं परिवहन करते हुए खनन माफियाओं द्वारा वन्यजीव संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जब जबकि कि जिला प्रशासन द्वारा इको सेंसेटिव जोन में अवैध खनन व परिवहन पर पूर्णतः पाबंदी लगाई गई है। इस प्रकरण का अत्यंत आश्चर्यजनक पहलू यह है कि गंगा से बालू के अवैध खनन तथा परिवहन किए जाने के बारे में चर्चा किये जाने पर इलाकाई नदनी पुलिस चौकी प्रभारी द्वारा संबंधित विभाग को दोषी ठहराया जा रहा है जबकि पाषाण विभाग द्वारा अवैध बालू खनन के लिए वन विभाग को जिम्मेदार ठहरायाजा रहा है, जिला खान अधिकारी का कहना है कि वन्य जीव संरक्षणके उद्देश्य से वन विभाग को आगे आना चाहिए जबकि जिला वन अधिकारी ने मामले से पूर्णतः अभिज्ञता जाहिर करते हुए अत्यंत दबे मन से बृहस्पतिवार को कहा कि यदि ऐसा है तो कल दिखवाते हैं। हालत यह है कि डबल जेसीबी लगाकर दिन-रात गंगा के गहरे पानी से प्रति 10 मिनट में एक ट्रैक्टर बालू का उत्खनन कर मार्केट में मांग एवं खपत के अनुसार महंगे दरों पर आपूर्ति किए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार जेसीबी मशीन के पंजे के माध्यम से गंगा के गहरे पानी में 4 से 5 फीट की गहराई तक के बालू खींचे जा रहे हैं।

कारोबार

एचपी फ्यूल-स्टेशनों पर चार्ज हो सकेंगी इलेक्ट्रिक गाड़ियां

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड ने भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के साथ डील साइन की है। दोनों कंपनियां मिलकर देश के मेजर लोकेशन में स्थित एचपी के 21000 से ज्यादा फ्यूल स्टेशनों (पेट्रोल पंप) पर ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाएंगी। इससे 1.2 लाख टाटा ईवी कस्टमर्स को सीधा फायदा मिलेगा।

चार्जिंग स्टेशनों पर सुविधाजनक पेमेंट के लिए दोनों कंपनियां रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन के साथ भी काम कर रही हैं। भारत के ईवी मार्केट में टाटा की 68प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, एचपीसीएल दिसंबर 2024 तक 5,000 ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाने के टारगेट पर काम कर रही है।

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के चीफ स्ट्रैटजी ऑफिसर बालाजे राजन ने कहा, देश में ईवी की खरीदारी बढ़ रही है, ऐसे में चार्जिंग स्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने से भारत में ईवी को मेनस्ट्रीम में लाने में मदद मिलेगी। एचपीसीएल के साथ हमारी यह पार्टनर्शिप भारत में ईवी मार्केट को बड़ा और एडवांस बनाने के सपने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भारत में बढ़ते ईवी कंज्यूमर बेस को बढ़ाने के लिए यह पार्टनर्शिप जरूरी थी।

एचपीसीएल के चीफ जनरल मैनेजर, रिटेल स्ट्रैटजी एंड बीडी देबाशीष चक्रवर्ती ने कहा, एचपीसीएल ने अपने 21000 से ज्यादा फ्यूल स्टेशनों को साथ लेकर टाटा मोटर्स के साथ यह अलाएंस किया है। इस अलाएंस के जरिए, एचपीसीएल हाई डिमांडिंग चार्जिंग लोकेशन पर ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाकर ईवी कस्टमर्स के रेंज की समस्याओं को कम किया जा सकेगा।

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड 68प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में मार्केट लीडर है। कंपनी ने 2023 में कुल 69,153 यूनिट ईवी बेचीं। टाटा मोटर्स इस साल कर्व, हैरियर ईवी, सिएरा और अल्ट्रोज ईवी लॉन्च करेगी।

टीपीईएम के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर विवेक श्रीवत्स ने कहा- बैटरी कॉस्ट ईवी की ओवरऑल कॉस्ट का एक बड़ा हिस्सा है। हाल के दिनों में बैटरी सेल की कीमतों में नरमी आई है और आने वाले दिनों में इसमें और कमी आ सकती है। ऐसे में हमने इसका फायदा ग्राहकों को देने का विकल्प चुना है।

मार्च में 90 फीसदी घट सकता है सोने का आयात

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। देश का सोना आयात फरवरी, 2024 के मुकाबले मार्च में 90 फीसदी से अधिक घटकर कोरोना महामारी के बाद से अपने निचले स्तर पर पहुंच जाएगा। एक सरकारी अधिकारी और दो बैंक डीलरों ने बताया कि बहुमूल्य धातु की रिकॉर्ड उच्च कीमतों की वजह से मांग प्रभावित हुई है। इससे बैंकों ने सोने की खरीदारी में कटौती की है, जिससे आयात में बड़ी गिरावट आ सकती है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारत ने फरवरी में 110 टन सोने का आयात किया था। मार्च में यह घटकर 10-11 टन पर सीमित रह सकता है। सोने के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता भारत के कम आयात से वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातु की कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है, जो इस माह की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। आयात में गिरावट से भारत को व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही, रुपये को भी समर्थन मिल सकता है।

अडाणी फैमिली ने अंबुजा सीमेंट में 6,661 करोड़ निवेश किया

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। बिलेनियर गौतम अडाणी के परिवार ने अंबुजा सीमेंट में 6,661 करोड़ रुपए निवेश किया है, जिससे सीमेंट बनाने वाली कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 3.6प्रतिशत बढ़कर 66.7प्रतिशत हो गई है। अंबुजा सीमेंट ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी है। इससे पहले अक्टूबर 2022 में वारंट के माध्यम से अडाणी फैमिली ने अंबुजा सीमेंट्स में 5,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था। अधिग्रहण के बाद कंपनी के प्रमोटरों ने अब तक अंबुजा में 11,661 करोड़ रुपए निवेश किए हैं। कंपनी ने कहा कि इस निवेश से उसकी फाइनेंशियल सिचुएशन मजबूत होगी और हम डेवलपमेंट प्लान को आगे बढ़ाने के साथ इमर्जिंग अपॉर्चुनिटी का फायदा उठा सकेंगे। अडाणी ग्रुप ने जून 2022 में 10.5 बिलियन डॉलर में अंबुजा सीमेंट और एसीसी सीमेंट को खरीदा था। अंबुजा सीमेंट के शेयर में आज 2प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। दोपहर 1 बजे कंपनी का शेयर 2.19प्रतिशत तेजी के साथ 614 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा था। पिछले 6 महीनों में अंबुजा सीमेंट के शेयर में 46प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। वॉरंट एक तरह का फाइनेंशियल कॉन्ट्रेक्ट होता है। कंपनियां इसका इस्तेमाल फंड रेज करने के लिए करती है। ये निवेशकों को एक्सपायरेशन से पहले एक निश्चित कीमत पर उस कंपनी के निश्चित शेयर खरीदने या बेचने का अधिकार देता है। भारतीय और अमेरिकी वॉरंट किसी भी समय एक्सपायरी डेट पर या उससे पहले एग्जीक्यूट किए जा सकते हैं, जबकि यूरोपीय वॉरंट केवल एक्सपायरी डेट पर ही एग्जीक्यूट हो सकते हैं। शेयर खरीदने का अधिकार देने वाले वॉरंट को कॉल वारंट कहा जाता है। वहीं, शेयर बेचने का अधिकार देने वालों को पुट वॉरंट के रूप में जाना जाता है।

2500 वेरिफाइड फॉलोअर्स वाले एक्स-यूजर्स को फ्री प्रीमियम सर्विस

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जिनके 2500 या इससे ज्यादा वेरिफाइड फॉलोअर्स हैं, कंपनी उन्हें अब फ्री में प्रीमियम सर्विस देगी। जिनके 5000 या इससे ज्यादा वेरिफाइड फॉलोअर्स हैं, उन्हें प्रीमियम प्लस की सुविधा मुफ्त मिलेगी। टेस्ला, स्पेस एक्स और एक्स के ओनर एलन मस्क ने इस बात का ऐलान किया है। एक्स के प्रीमियम सर्विस वाले यूजर्स को ऐड-फ्री, पोस्ट के लिए ज्यादा वर्ड लिमिट और पोस्ट को एडिट करने के साथ कई अन्य फीचर्स मिलते हैं। प्रीमियम प्लस सर्विस वाले यूजर्स को प्रीमियम की सभी सुविधाओं के अलावा कंपनी का अपना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बेस्ड चैटबॉट ग्रोक का एक्सेस मिलेगा। मस्क ने करीब एक हफ्ते पहले प्रीमियम सब्सक्राइबर्स को भी ग्रोक का एक्सेस देने का ऐलान किया था। एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने के बाद उसका नाम बदलकर एक्स रखने के अलावा उसमें कई बड़े बदलाव किए। इनमें सबसे बड़ा बदलाव दुनियाभर में ब्लू सब्सक्रिप्शन प्लान का लॉन्च किया जाना था। भारत में वेब यूजर्स के लिए ब्लू सब्सक्रिप्शन कॉस्ट रू650 रुपए रखी थी। मोबाइल के लिए सब्सक्रिप्शन चार्ज रू900 रुपए महीना रखी गई थी। प्रीमियम+ सर्विस के लिए हर महीने रू2,150 रुपए और एक साल के लिए 22,600 रुपए का चार्ज लगता है। मस्क ने 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में ट्विटर को खरीदा था। तब से उन्होंने उसमें कई बड़े बदलाव किए हैं, इसमें सबसे बड़ा बदलाव ट्विटर का नाम बदलकर एक्स करने का रहा है। इसके अलावा उन्होंने शुरुआत में कई बड़े बदलाव किया, जो चर्चा में रहे थे। ट्विटर खरीदने के बाद मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल थे। तब उसमे करीब 7,500 एम्प्लॉई थे।

फ्राइडे से पहले बाजार ने किया मालामाल, कुछ ही घंटो में हो गई 2.74 लाख करोड़ की कमाई

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 मार्च (नवसत्ता)। वित्त वर्ष के आखिरी दिन और गुड फ्राइडे से पहले शेयर बाजार गुलजार है। गुड फ्राइडे से पहले ही शेयर बाजार निवेशकों को गुड न्यूज मिली है। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स दोपहर एक बजे करीब 900 अंक से ज्यादा उछलकर 73899।43 के स्तर पर कारोबार कर रहा है, वहीं एनएसई निफ्टी 270 अंक बढ़कर 22401।55 अंक पर कारोबार कर रहा है। बाजार की इस तेजी के बीच शेयर बाजार के निवेशकों ने कारोबार शुरू होने के कुछ ही घंटों में 2।74 लाख करोड़ कमा डाले हैं।

सेंसेक्स में लिस्टेड कंपनियों में से बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड और इंफोसिस के शेयर मुनाफे में रहे हैं। वहीं एचसीएल टेक्नोलॉजीज, मारुति, टेक महिंद्रा और एशियन पेंट्स के शेयर में गिरावट आई है। शेयर बाजार में तेजी के बीच आज बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप करीब दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गया है।

इससे पहले कल यानी 27 मार्च 2024 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 3,83,64,900।22 करोड़ रुपये था। आज बीएसई सेंसेक्स पर लिस्टेड 30 कंपनियों में से 23 ग्रीन जोन में हैं। बीएसई पर आज 2239 शेयरों की ट्रेडिंग हो रही है। इनमें से 1589 शेयर मजबूत दिखाई दे रहे हैं। आज बैंकिंग, फार्मा और आईटी शेयरों में ज्यादा उछाल देखा जा रहा है। फाइनेंशियल ईयर के आखिरी दिन निवेशकों पर बाजार मेहरबान रहा और निवेशकों ने इससे शुरूआती दौर में ही 2।74 लाख करोड़ की कमाई कर डाली है।

ग्लोबल पीयर्स में तेजी ने घरेलू इक्विटी मार्केट्स में तेजी का सपोर्ट किया। अमेरिकी शेयर मार्केट इंडेक्स बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए, जिसमें एसएंडपी 500 ने समापन रिकॉर्ड बनाया।डाओ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 477।75 अंक या 1।22प्रतिशत बढ़कर 39,760।08 पर पहुंच गया, जबकि एसएंडपी 500 44।91 अंक या 0।86प्रतिशत उछलकर 5,248।49 पर पहुंच गया। नैस्डैक कंपोजिट 83।82 अंक या 0।51प्रतिशत बढ़कर 16,399।52 पर बंद हुआ।

बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, हीरो मोटोकॉर्प, जेएसडब्ल्यू स्टील और आईसीआईसीआई बैंक जैसे इंडेक्स हैवीवेट शेयरों में तेजी ने निफ्टी 50 को 22,300 के स्तर से ऊपर उठा दिया। निफ्टी 50 में शामिल 45 शेयरों में तेजी रही, जबकि 5 शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

मॉर्गन स्टेनली ने 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान अपने पिछले अनुमान 6।5प्रतिशत से बढ़ाकर 6।8प्रतिशत कर दिया, जो वर्तमान वित्तीय चक्र की पहचान के रूप में देश की ताकत और स्थिरता को उजागर करता है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शेयर मार्केट में मजबूत खरीदारी रुचि जारी रखी, जो सकारात्मक धारणा का संकेत है। एफआईआई ने नेट 2,170।32 करोड़ के शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 27 मार्च को 1,197।61 करोड़ के शेयर खरीदे। एनएसई के अनंतिम आंकड़ों से इसके बारे में जानकारी हुई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा प्रभाष प्रिन्टर्स, गणेश नगर, रामजी पुरम निकट मदर टेरेसा स्कूल पो0 मलिकमऊ आयमा रायबरेली से मुद्रित कराकर 31 बस्तेपुर रामजी पुरम रायबरेली ,उप्र से प्रकाशित
सम्पादक- धीरज श्रीवास्तव - फोन नं-0535-2700090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2012/46348 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रायबरेली न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

रेवती रमण ने कांग्रेस से मिलाया हाथ भाजपा नए सिरे से तैयार कर रही रणनीति

संवाददाता

प्रयागराज, 28 मार्च (नवसत्ता)। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से बढ़ती दूरियों के बीच सियासी जमीन बचाने के लिए दिग्गज नेता रेवती रमण सिंह के कांग्रेस से हाथ मिलाने के बाद भाजपा ने पत्ते फेंटने शुरू कर दिए हैं। सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद इलाहबाद संसदीय सीट से रेवती के पुत्र पूर्व मंत्री उज्जवल रमण सिंह को उम्मीदवार बनाए जाने के संकेत हैं। इसे लेकर भाजपा नई गोटियां खेलने की तैयारी में है। सेंट्रल इलेक्शन कमेटी की रिपोर्ट और विचार परिवार की राय से इस सीट पर भाजपा सियासतबाजों को चौंका सकती है।

अबकी बार चार सौ के पारा का नारा देने वाली भाजपा उम्मीदवार चयन में किसी तरह की जल्दबाजी या जोखिम नहीं उठाना चाहती है। दिल्ली में तीन तौर की मंत्रणा के बाद कांग्रेस की रणनीति को भांपते हुए भाजपा ने इस सीट को फिलहाल होल्ड कर दिया है। उज्जवल को कांग्रेस की ओर से संभावित प्रत्याशी बताए जाने के बाद अब हर किसी की जुबां पर एक ही सवाल है कि भाजपा इस सीट से किसे अपना उम्मीदवार बनाएगी। रेवती रमण सिंह की यमुनापार में मजबूत पैठ को देखते हुए चर्चा है कि भाजपा इस सीट से मंझे हुए खिलाड़ी को उतारने की तैयारी कर रही है।

दरअसल, रेवती रमण सिंह आठ बार विधायक रहे हैं। इसके अलावा इलाहाबाद संसदीय सीट से वह लगातार दो बार लोकसभा पहुंचे। एक बार वह राज्यसभा सदस्य भी रह चुके हैं। इस वजह से भाजपा उन्हें कमजोर नहीं मान रही है। इसी को देखते हुए पार्टी अब इसी सीट से ऐसे उम्मीदवार का नाम घोषित कर सकती है जो क्षेत्र का जाना पहचाना नाम हो। पार्टी के नेताओं का कहना है कि इस सीट से भाजपा किसी ब्राह्मण उम्मीदवार को उतार सकती है। हालांकि, यह अभी सिर्फ कयासबाजी ही है।

बता दें कि 2004 के चुनाव में केंद्र में एनडीए सरकार होने के बावजूद भाजपा से डा. मुरली मनोहर जोशी इलाहाबाद संसदीय सीट से चुनाव हार गए थे, इसे देखते हुए इस सीट को हल्के में लेने का भाजपा जोखिम नहीं उठा रही है। इसी वजह से पार्टी ने इलाहाबाद के साथ फूलपुर और कौशाम्बी में अपने प्रत्याशी का अंतिम रूप से चयन नहीं किया है।

इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र की बात करें तो यहां से वर्तमान सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी, पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधा कांत ओझा, केशरी नाथ त्रिपाठी के पुत्र नीरज त्रिपाठी, रईस चंद्रा शुक्ला, हरि कृष्ण शुक्ला, डा. एलएस ओझा आदि का नाम टिकट के दावेदारों में चल रहा है।

सांसद रीता की बात करें तो उनके पिता हेमवती नंदन भी इलाहाबाद सीट से सांसद रह चुके हैं।

केन्द्रीय कार्यालय शुभारंभ के साथ सपा प्रत्याशी ने तूफानी दौरा कर मांगा आशीर्वाद

संवाददाता

सुलतानपुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। इंडिया गठबंधन सहयोगी समाजवादी पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी भीम निषाद की उपस्थिति में केन्द्रीय चुनाव कार्यालय का शुभारंभ टेढुई स्थित भवन में हुआ जहां पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों व नेताओं तथा समर्थकों की भारी भीड़ रही। केन्द्रीय कार्यालय शुभारंभ अवसर पर इसौली विधायक व पूर्व सांसद जनाब ताहिर खान जिला महासचिव सलाहुद्दीन जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र मौर्य पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष देवतादीन निषाद प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग विनोद जायसवाल व श्रीराम निषाद सिकन्दर यादव तथा जिला पंचायत सदस्य राधेकान्त यादव सैनिक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष जयसराम यादव जिलाध्यक्ष शिक्षक सभा बब्बन यादव लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष रामभजन यादव जिलाध्यक्ष बाबा वाहिनी धर्मराज त्यागी प्रदेश सचिव बाबा वाहिनी रामराज कोरी पूर्व प्रदेश सचिव पंकज यादव बाबा वाहिनी के विधानसभा सचिव इंजीनियर राममूर्ति चौरसिया रमाशंकर सरोज रमाशंकर यादव आदि की विशेष उपस्थिति रही।

केन्द्रीय कार्यालय उद्घाटन के बाद लालडिग्गी स्थित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कार्यालय पर बड़ी सभा जहां पार्टी प्रत्याशी भीम निषाद का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद मिश्रा मुन्ना भैया पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्रा आदि कांग्रेस के दर्जनों पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने भी समाजवादी पार्टी प्रत्याशी के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर चलने का आह्वान किया व साथ ही साथ भाजपा के मंसूबे को खत्म करने व भारतीय जनता पार्टी को शिकस्त देने की बातें कहा।

उक्त कार्यक्रमों के बाद गठबंधन प्रत्याशी भीम निषाद बल्दीराय छेत्र का सघन व तूफानी दौरा किया व जगह जगह पर चुनाव कार्यालय का उद्घाटन भी किया।

केजरीवाल की गिरफ्तारी एवं पत्रकारों से अभद्रता के विरोध में आप ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

मिर्जापुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी द्वारा शराब घोटाले में गिरफ्तारी के विरोध में 26 मार्च को दिल्ली में ऐतिहासिक प्रदर्शन का कवरेज कर रहे मीडिया कर्मी एवं पत्रकारों के साथ पुलिस कर्मियों द्वारा किए गए बर्बरता एवं दुर्व्यवहार के विरोध में आम आदमी पार्टी जनपद मिर्जापुर के कार्यकर्ताओं ने पत्रकारों के उत्पीड़न एवं उनके साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग को लेकर एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की जल्द रिहाई की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया एवं मांगों से संबंधित राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी प्रियंका निरंजन को सौंप कर तत्काल कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व आम आदमी पार्टी जनपद मिर्जापुर के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर बी सिंह एवं सुनील कुमार पांडेय द्वारा किया गया। प्रदर्शन में सैकड़ो की संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर जोरदार नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार में मीडिया संविधान एवं लोकतंत्र को कुचला जा रहा है एवं सरकार पुलिस के डंडे के बल पर लोकतंत्र में आवाज को दबाने का कार्य कर रही है। पत्रकारों पर दिल्ली पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण कार्रवाई एवं लाठीचार्ज का आम आदमी पार्टी घोर विरोध करती है। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सच्चाई ना दिखाने का दबाव बनाना लोकतंत्र को समाप्त करने के बराबर है। आरोप लगाया कि वर्तमान केंद्र सरकार लोकतंत्र की हत्या करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी पत्रकारों के साथ खड़ी है वे पत्रकारों के साथ किसी भी उत्पीड़न के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर बी सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया कर्मियों, पत्रकारों के ऊपर लाठीचार्ज तानाशाही व्यवस्था को दर्शाता है लोकतंत्र में साम्राज्यवाद के खिलाफ आंदोलन को लाठी के बल पर नहीं दबाया जा सकता। आम आदमी पार्टी पत्रकारों के ऊपर बर्बरता की घोर निंदा करती है। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला महासचिव दिलीप सिंह गहरवार ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से पूरा केंद्र सरकार डरी हुई है, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से पूरा देश आक्रोशित है इस आक्रोश को मीडिया कर्मियों द्वारा दिखाए जाने पर सरकार ने मीडिया कर्मियों और पत्रकारों के खिलाफ भी बर्बरता पुलिस के बल पर किया है इसकी घोर निंदा आम आदमी पार्टी करता है। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से राम आश्रम यादव जिला उपाध्यक्ष, रामबाबू यादव नगर विधानसभा अध्यक्ष, रविंद्र कुमार श्रीवास्तव, आनंद कुमार सिंह इत्यादि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फर्जी आईपीएस बनकर ठगी करने वाला पकड़ा गया

संवाददाता

कन्नौज, 28 मार्च (नवसत्ता)। पुलिस ने एक फर्जी आईपीएस को दबोचा है। पकड़ा गया फर्जी आईपीएस अपने एक साथी के साथ ऐप के जरिये पुलिस अफसर का सीयूजी नम्बर बना पुलिस पर रौब झाड़ता था और मन मुताबिक काम करवाता। सीओ सदर को दो बोतल शराब के लिये फोन करने के बाद मामला सन्दिग्ध जान जब पुलिस ने जांच शुरू की तो फर्जी आईपीएस का भंडाफोड़ हो गया। कन्नौज सीओ सदर कमलेश कुमार के पास होली के दिन एडीजी पुलिस हेडक्वार्टर के सीयूजी नम्बर से कॉल आती है। अधिकारी की कॉल सोच जैसे ही सीओ उसे रिसीव करते हैं, सामने वाला खुद को एडीजी पीएचक्यू कहकर पहले सीओ को धमकाता है, फिर दो बोतल शराब अपने एक जानने वाले को पहुंचाने के लिये कहता है।

इतने बड़े अधिकारी के मुंह से 2 बोतल शराब की डिमांड सुनकर सीओ को कुछ शक होता है। जिसके वाद वह सीधे एसपी अमित कुमार आनंद से सम्पर्क कर पूरा मामला बताते हैं। सीओ के शक के आधार पर जब एसपी साइबर सेल से कॉल डिटेल निकलवाते हैं तो ऐप के जरिये फेंक नम्बर बनाकर कॉल करने की सच्चाई सामने आती है। जिसके बाद एसपी पूरे मामले में साइबर सेल और एसओजी टीम को लगा देते हैं। एसओजी की जांच में तिर्वा के टटवा गांव का गोपाल तिवारी के फर्जी आईपीएस होने की पुष्टि होती है। जिसके बार योजनाबद्ध तरीके से पुलिस ने आज उसे गिरफ्तार कर लिया। एसपी का कहना है कि गोपाल का एक साथी फतेहगढ़ निवासी अनुज अग्निहोत्री है।

गुडफ्राइडे और रविवार कोभी खुलेंगे उपनिवन्धन कार्यालय

कन्नौज, 28 मार्च (नवसत्ता)। अपर जिलाधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 समाप्ति की ओर अग्रसर है। स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग राजस्व प्राप्ति का एक मुख्य स्रोत है। शासन की सर्वोच्य प्राथमिकता है कि शासन द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य की शत् प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके। इस उद्देश्य से महानिरीक्षक निबन्धन, उत्तर प्रदेश द्वारा अवकाश के दिनों में कार्यालय खोलकर अधिकाधिक राजस्व प्राप्ति के लिए निर्देशित किया गया है। इस के क्रम में स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग को आवंटित निर्धारित लक्ष्य की शत् प्रतिशत प्राति हेतु दिनांक 29.03.2024 एवं 31.03. 2024 को सार्वजनिक अवकाशों में भी जनपद स्थित उप निबन्धक कार्यालयों को खुलवाकर रजिस्ट्रीकरण की कार्यवाही की जायेगी।

पल्लवी पटेल की गणित फेल होते ही लौटी अनुप्रिया खेमे की रौनक

संवाददाता

मिर्जापुर, 28 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा क्षेत्र मिर्जापुर से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर अपनादल कमेरावादी की नेत्री पल्लवी पटेल के चुनाव लड़ने की चर्चा मात्र से जिले की मौजूदा सांसद एवं एनडीए में शामिल केंद्रीय मंत्री तथा अपना दल एस की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के खेमे में न सिर्फ सियापा फैल गया था अपितु बहन के मुकाबले बहन की लड़ाई के परिणाम से नकारात्मक विचारधाराओं में इस कदर डूबने लगे थे कि उन्हें दिन में ही तारे नजर आने लगे थे। ज्ञातव्य है कि मिर्जापुर लोकसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 03.05 लाख कुर्मी मतदताओं के मतों से पिछले 10 वर्षों से मिर्जापुर संसदीय सीट पर लगातार कब्ज जमाए बैठीं अनुप्रिया पटेल को पल्लवी पटेल के आ जाने से मतों का विभाजन साफ-साफ दिखाई देने लगा था, किंतु कहते हैं कि बिल्ली के भाग्य से छींका टूट जाने की भांति बसपा सुप्रीमो मायावती ने पल्लवी पटेल को उनकी इच्छा के अनुसार मिर्जापुर सीट से टिकट देने से इनकार कर दिया। ज्ञातव्य है कि यह वही पल्लवी पटेल हैं जिन्होंने बीते विधानसभा चुनावों में सपा के टिकट पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी केशव प्रसाद मौर्य को पराजित कर सिराथू विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। किंतु मौजूदा बदले परिवेश में पल्लवी पटेल ने हाल ह में इंडी गठबंधन मैं शामिल होने की बात करते हुए मिर्जापुर सहित तीन सीटों पर प्रत्याशी उतारने का दावा किया था, कालांतर में सपा से चुनाव लड़नेकी बात आई किंतु इसी दौरान सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव द्वारा मिर्जापुर संसदीय सीट से राजेंद्र एस बिंद को पत्याशी बनाए जाने के बाद पल्लवी पटेल ने बसपा की ओर रुख किया था किंतु बातचीत के दौरान ही बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा भी ब्राह्मण कार्ड खेलते हुए मनीष त्रिपाठी को मिर्जापुर संसदीय सीट से प्रत्याशी बनाए जाने से पल्लवी ने अपने दम पर चुनाव लड़ने का मन बनाया है। सूत्रों के अनुसार मिर्जापुर संसदीय क्षेत्र के सर्वाधिक पटेल मतदाताओं के मतों के ध्रुवीकरण हेतु भाजपा समर्थित अपना दल एस प्रत्याशी मौजूदा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के मुकाबले खुद उनकी मां एवं अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल मिर्जापुर संसदीय सीट से मैदान में उतर सकती हैं। जातिवादी मतों पर गौर करें तो मिर्जापुर संसदीयक्षेत्र में 03.05 लाख कुर्मी मतदाताओं केअलावा 01.45 लाख बिंद, 01.55 लाख ब्राह्मण, 01.20 लाख मौर्य, 80 हजार क्षत्रिय, 01.40 लाख वैश्य, 02.55 लाख हरिजन, 01.15 लाख कोल, 85 हजार यादव मतदाताओं के अलावा 50 हजार पाल, 30 हजार सोनकर तथा प्रजापति, नाई, विश्वकर्मा, सुनार तथा मुस्लिम मतदाताओं की कुल संख्या 2 लाख के लगभग है। ऐसे में यदि हरिजन मतदाताओं के अलावा यदि ब्राह्मणों ने बसपा प्रत्याशी का साथ दिया तो अनुप्रिया पटेल की नाव डगमगा सकती है, वहीं डेढ़ लाख बिंद मतदाताओं के अलावा मुस्लिम एवं यादव मतदाताओं ने सपाप्रत्याशी का पूरा-पूरा साथ दिया तो भी कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला क्योंकि अनुप्रिया पटेल स्वजातीय पटेल मतदाताओं के मतों का अपने को पूरा-पूरा हकदार मानती हैं।

श्रावस्ती जिले में पोषण मामलों के मापन में 98.11 प्रतिशत तक की उन्नति

संवाददाता

लखनऊ, 28 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में कुपोषण से लड़ने में बड़ी सफलता मिली है। बाल कल्याण के क्षेत्र में प्रयासरत संगठन बाल रक्षा भारत की पहल से क्षेत्र में बच्चों के पोषण की स्थिति में सुधार आया है। बाल रक्षा भारत ने यहां की 167 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा संगिनियों और एएनएम को पोषण ट्रैकर व ई-कवच एप्लिकेशन का प्रयोग करने और ट्रिपल बर्डन केस ऑफ मालन्यूट्रिशन (टीबीएम) की रिपोर्टिंग एवं उनके दस्तावेजीकरण को लेकर प्रशिक्षित किया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप सीवियर एक्यूट मालन्यूट्रिशन (एसएएम) और मॉडरेट एक्यूट मालन्यूट्रिशन (एमएएम) के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। यहां जून 2023 में इफिशिएंसी ऑफ न्यूट्रिशन रेट 92.77 प्रतिशत था, जो जनवरी 2024 में 98.11 प्रतिशत पर पहुंच गया। यहां के 177 आंगनवाड़ी केंद्रों में से 95 ने 100 प्रतिशत मेजरमेंट इफिशिएंसी प्राप्त कर ली है।

बाल रक्षा भारत द्वारा 'स्ट्रेंथनिंग एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम' (आकांक्षी ब्लॉक को मजबूत करने की पहल) के सफल क्रियान्वयन से 28,000 से अधिक बच्चों को लाभ हुआ है। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य नीति आयोग की तरफ से चुने गए उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जिले श्रावस्ती के आकांक्षी ब्लॉक जमुनहा में पोषण की स्थिति सुधारना और सरकारी सेवाओं तक पहुंच को विस्तार देना है।

इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए आईएएस एवं आईसीडीएस डायरेक्टर, उत्तर प्रदेश श्रीमती सरनीत कौर ब्रोका ने कहा, 'बच्चों में पोषण एवं स्वस्थ विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए हमें एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। जानकारीपूर्ण वीडियो के माध्यम से महिलाओं को शिक्षित एवं सशक्त बनाना इसका हिस्सा है, जो समग्र बाल कल्याण के महत्व को रेखांकित करता है। सार्थक बदलाव को प्रेरित करने की शुरुआत स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने एवं कल्याण को बढ़ावा देने वाली संस्कृति को विकसित करने से होती है। बाल रक्षा भारत ने इस परिवर्तन को लाने की दिशा में उल्लेखनीय समर्पण एवं प्रभावशीलता प्रदर्शित की है। उनके साथ जुड़कर हमने मेजरमेंट इफिशिएंसी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। बाल रक्षा भारत के सीईओ सुदर्शन सुची ने कहा, 'स्ट्रेंथनिंग एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम' के साथ हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि जमुनहा ब्लॉक के प्रत्येक बच्चे को स्वस्थ और टिकाऊ जीवन के लिए पर्याप्त पोषण मिले। इस पहल का उद्देश्य डाटा प्रबंधन को सुव्यवस्थित करना और पोषण संबंधी प्रयासों की कुशल निगरानी सुनिश्चित करना है। इसके अलावा, फ्रंटलाइन हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स को ट्रिपल बर्डन केस की रिपोर्टिंग एवं दस्तावेजीकरण का प्रशिक्षण भी दिया गया है। उन्होंने आगे कहा, 'पोषण के मामले में बेहतर परिणामों के लिए एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम को मजबूत करना बाल रक्षा भारत के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाता है कि पांच साल से कम उम्र के किसी बच्चे की मौत ऐसे किसी कारण से न हो, जिसे टालना संभव है। बाल रक्षा भारत का उद्देश्य हाशिए पर जी रहे बच्चों एवं परिवारों के स्वास्थ्य, पोषण व कल्याण को मजबूत करने के सरकार के मिशन को आगे बढ़ाना है।